अरण्य-फसल

लेखक
मनोरंजन दास

रूपांतर
शंकरलाल पुरोहित

राधाकृष्ण प्रकाशन

मूल्य
९ रुपये

प्रकाशक
राधाकृष्ण प्रकाशन
२ अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली ११०००२

मुद्रक
पाल्ज प्रेस
बी २५८, नरैना फेज १ नई दिल्ली ११००२८

रूपान्तरकार का वक्तव्य

शंकरलाल पुरोहित

उदभट नाटक में जीवन के प्राचीन पारंपरिक अर्थ-मूल्य बीसवीं सदी के संघर्षमय कदमों में ढह गये हैं। अतीत में जो कुछ वास्तव था, आज वह वास्तव नहीं रह गया है। वैसे देखा जाय तो आज 'यथार्थ' की परिभाषा ही बदल गयी है। बीसवीं सदी का क्षत विक्षत मानव के लिए वह बन गया है शून्य—अर्थहीन। पहले की आशा विश्वास सब धूल में मिल गये और उसका स्थान मिला है जीवन के यंत्रणापूर्ण, करुण आर्तनाद को अस्थिरता हताशा आत्मप्रवंचना छलावे अभिनय को फलत यह पृथ्वी आज के आदमी के लिए भयावह असंयत तर्कहीन अशांत सत्य दम तोड़ता हुआ नैतिकता गिरती हुई जीने का अर्थ जीना नहीं जीवन मरण दोनों समान हो जाते हैं। एक ही शब्द में कहा जाय तो आज यह पृथ्वी आदमी के लिए हो गयी है एब्सर्ड (Absurd)।

यही वह आत्मबोध है जिसने मनोरंजन दास को प्रेरणा दी अरण्य-फसल के निर्माण की। वे उड़ीसा में नव नाट्य आंदोलन के जन्मदाताओं में प्रमुख माने जाते हैं। यद्यपि अगस्त्य नों', अवरोध', 'नारी', 'महासमुद्र', 'सागर मंथन' और 'जन्ममाटी' के मंचन और प्रकाशन के साथ मनोरंजन का सिक्का उड़िया नाट्य जगत में जम चुका था। उनके 'आगामी' ने १९७० ई० में नाटक-लेखन में एक नई परंपरा का सूत्रपात किया। स्वाधीनता पूर्व के यौवन' और कवि-सम्राट उपेंद्र भंज' ने उन्हें जितना प्रसिद्ध नहीं किया, ठीक स्वाधीनोत्तर भारत में दास ने 'बक्शी जगबंधु' लिखकर अभूतपूर्व लोकप्रियता प्राप्त की।

मनोरंजन को 'छोट नाटक' नामक एकांकी-संकलन पर उड़ीसा संगीत-नाटक अकादमी पुरस्कार और बाद में 'अनशन' नाटक पर उड़ीसा संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार मिल चुके हैं। लेकिन अभिव्यक्ति के स्तर पर एकदम नये प्रयोगों की खोज में मनोरंजन की यात्रा शुरू होती है 'वन हंसी' से। अतीत, वर्तमान और भविष्य एक बिंदु पर अपना अपना स्वाद लेकर आदमी के पास आकर मिलते हैं। जो अतिमानसिक धरातल पर संगठित हो सकता है, वह सब मंच पर असंगतियों के जाल के रूप में खड़ा किया जाता है। नायक के वर्तमान के मानसिक धरातल पर अतीत और भविष्य उतर

मात देखकर दर्शक और पाठक Absurd Absurd Absurd कह उठे।

इसके बाद जब 'अरण्य फसल' पहली बार (११ जुलाई १६६६) फॅंडग यूनियन द्वारा कलाश्री थियेटर, कटक में प्रस्तुत किया गया तो तीव्र प्रतिक्रियाएँ सामने आयीं—स्वागत और भर्त्सना की। कई सप्ताह तक काफी उत्तेजना और उद्दीपन के वातावरण में खेले जाने के बाद नाटक को सबने एक स्वर से स्वीकारा था—आज के जीवन में फैले Absurd के चित्रण के रूप में। और फिर दो वर्ष बाद साहित्य अकादमी ने इसे पुरस्कृत करते हुए लिखा—

'It is in the nature of an absurd play commenting on the incongruities of modern life For its psychological insight and bold experimentation the work has been hailed as an outstanding contribution to contemporary Oriya literature

इसी परंपरा की अगली कड़ी के रूप में आगे आये दो और नाटक 'अमृतस्यपुत्रा' और 'काठ घोड़ा'। यहाँ भी वही बाहर से शांत दिखता मन भीतर से घृणा, ईर्ष्या, विश्वासघात आदि के कारण भूलभुलैया में पड़ा लगता है। यहाँ लेखक नाटक की गति लक्ष्य और घटनाओं का ध्यान में रख कर दर्शकों के बौद्धिक चिंतन को स्पर्श करना चाहता है।

मनोरंजन दास (जन्म—१६२१) आजकल आकाशवाणी कटक के नाटक विभाग में प्रोड्यूसर के पद पर हैं। शुरू से ही साहित्यिक रुचि होने के कारण दास ने कानून की डिग्री लेने और कुछ समय तक वकालत करने के बावजूद नाटक लेखक और नाटक विभाग में कार्य करने को ही अपने लिए चुना। साहित्य अकादमी और उड़ीसा संगीत नाटक अकादमी दोनों के कार्यकारी समिति के वे सदस्य हैं। उनके प्रयोग और साहसिक अभियानों से उड़ीसा में नाटक और नाट्य-कला सब प्रकार की आर्थिक और तकनीकी सीमाओं के बावजूद भारतीय नाट्य-आंदोलन में अपने प्रतिवेशी साहित्यों से किसी भी स्तर में पीछे नहीं है।

आशा है हिंदी भाषी क्षेत्र इस कृति के हिंदी रूपांतरण से उड़िया नाटक की समृद्धि का सकेत तो पायेगा ही साथ में उसे नव-नाट्य आंदोलन में अपने लिए भी एक दिशा निर्देश मिल सकेगा।

निदेशक का वक्तव्य

अजयकुमार महाति

गरमी की शाम थी। सभवत १६६६ की बात है। आकाशवाणी, कटक के लिए रिहसल के बाद 'ग्ररण्य फसल' के निर्देशन का प्रस्ताव रखा गया था मेर सामने। मनारजन दास के घर चाय की चुस्कियो के बीच काफी गर्मागम चर्चा हुई, बहसें हुइ और अन्त म मैंन इसके निदशन तथा प्रस्तुतीकरण का भार सभाला हालाकि दास तनाव से मुक्त हो चुके थे पर मेरी चिताएँ यही से शुरु हुई। मेरे लिए घबराने या डरने जसी कोई बात नही थी। यह मेरे पिछले नाटको म 'नवीनता' और ताजगी' की तलाश के कारण दशका और आलोचको मे एक तरह की आशा और सचेतनता भरा प्रश्न था—What next?

उपरोक्त वाक्य म आत्म प्रशसा का आभास लगे। परन्तु इसके पीछे कुछ कारण है। इसम कोई अतिशयोक्ति नही होगी कि हमारे यहा नाटयकला प्रयोगा के कारण बहुत तेजी से विकास की ओर बढती गयी है। यद्यपि कुछ क्षेत्रो म ये धुधले और अनिश्चित ही नही, भ्राति पदा करने वाले (confusing) हो गय। इस सबध म कइ ऐसे उदाहरण आय जिनके कारण प्रयोगा से भर मेरे नवीन प्रस्तुतीकरण के सम्बध मे शकाओ और आशकाओ का काफी बढा दिया।

इस प्रयागवादी अनुबध को लेने से पूव मैं उडीसा के मच पर अपने पिछले निदेशन ('शववाहक माने'—The Pall Bearers—विजयमिश्र की एक अनुपम कृति) म 'फ्रीज' (Freeze) का प्रवेश पहली बार करा चुका था। अब मरी परिकल्पना थी—To prove 'confusion through repitition in a symbolic representation of 'Psyche and 'environment, अर्थात् मन' और परिवेश के एक प्रतीकात्मक उपस्थापन के लिए पुनरावृत्ति द्वारा भ्राति को दिखाया जाय। इसके माध्यम से मैं omission of commitment through confession प्रस्तुत करना चाहता था। और मेरा निणय काफी सही निकला। वास्तव मे दास की इस कृति म मेरे प्रयोगो के लिए यथेष्ट गुजाइश थी।

और इस कृति के माध्यम से मैंने गतिविधिया और प्रस्तुतीकरण सबधी अनेक प्रयोग किये। शुरु मे मैं इस धारणा के साथ आगे बढा कि एक ही आदमी

भिन्न-भिन्न परिस्थितियों में अलग अलग प्रतिक्रियाएँ व्यक्त करेगा। जैसा कोई आदमी नग्नता विरोधी आदर्श का प्रचार करता है, उसे अगर एकान्त में छोड़ दिया जाय तो अपने नग्न शरीर के निरीक्षण में उसे आनन्द आता है। इस ध्यान में रखकर मैंने कई बार गतिविधियों और अर्थ-द्योतक समय के भावों को सार्थक ढंग से निरर्थक रूप में उपस्थापित किया क्योंकि घटनास्थल बिलकुल असाधारण था। रंगमंचीय पारम्परिक विध्यात्मकताओं को भेदन की ओर गति ने मुझे और अधिक आत्मसंतोष प्रदान किया।

अरण्य-फसल' को हाथ में लेने से पूर्व इसे सम्पूर्णतः कल्पना में भर लेना जरूरी है। चूँकि भाषा में प्रचुर समकालीन महत्व है, अतः मुझे गति विधियों और Modulation में लयात्मक उच्छृंखलता (Rhythmical extravagance) का समावेश करना पड़ा। मैंने इस नाटक की एक बुद्धिवादी के नीरव आर्तनाद के रूप में परिकल्पना की जहाँ 'इड' आकांक्षाओं को एकदम सामाजिक रूप में उपस्थित करता है। इस प्रकार सेल्फ थोड़ा असाधारण बन जाता है, फलतः कुछ अवास्तविक, और यहीं मेरा तर्क आता है—नाटकीय व्यक्ति के माध्यम से साधारण अभिव्यक्ति के लिए थोड़ा हटना (To become a little deviated from the normal expression through the dramatic personae)।

उदाहरणार्थ एक स्थिति ली जा सकती है—

जब सम्राम बँगले में चारदीवारी के बीच अपने साथी कलाकारों से बातचीत करता है मैंने उसे घूमने और उपदेश देते दिखाया है मानो वह घने जंगल में सोने की खान खोज रहा है। बस देखा जाय तो वह क्या खोज रहा है? मानवीय मूल्यों की ही तलाश में तो है! उसके सामने उपस्थित नमूना में वह अभी भी चेष्टा कर रहा है। अतः गतिविधियों और संवादों की पुनरावृत्ति में मैं सामान्य के बनिस्बत अधिक असामान्य रहा।

दूसरे शब्दों में यह निस्सन्देह कहा जा सकता है कि अरण्य फसल ऐसी स्थितियों में अपने ढंग का अनोखा रहा जहाँ निर्देशक मानसिक और शारीरिक दोनों स्तरों पर बोझ उठाने को महत्व प्रस्तुत है। अन्त में एक और बात—इस नाटक में कलाकारों को यथेष्ट धैर्य और अध्यवसाय की आवश्यकता है क्योंकि इसमें पात्रों और चरित्रों को ढालना एक दुस्सह कार्य है।

इस नाटक को सफल बनाने में जिन कलाकारों का सहयोग रहा उनके प्रति कृतज्ञता ज्ञापन मेरा कर्तव्य है। मनोरंजन की कलम से निकले अरण्य फसल के हिन्दी रूपान्तर के लिए मेरी शुभ कामनाएं।

प्रस्तुति विवरण

प्रथम मचन	—	फ्रेंडस यूनियन, कटक द्वारा
रगमच	—	कलार्थी थियेटर्स, कटक
निर्देशक	—	श्री अजयकुमार महाति
समय	—	११ जुलाई, १९६९

पात्र

पुरुष	स्त्री
सुव्रत	बेबी
वर्मा	लिली
सग्राम	
चौकीदार	

अरण्य-फसल

प्रथम अक — जगल मे बने एक डाक-बगले म एक शाम।
द्वितीय अक — वही स्थान दूसरे दिन की शाम।
तृतीय अक — वही स्थान तीसरे दिन की सुबह।

प्रथम अंक

पहाड़ को घेरे हुए जंगल में एक डाकबँगला। डाकबँगले के बीच वाला कमरा बैठक के रूप में व्यवहृत होता है। उसमें पाँच छः कुर्सियाँ हैं। बीच में एक लंबी टेबुल। अपस्टेज के एक कोने में काठ की संदूक। दीवारों पर अस्वाभाविक रूप से बनैले जानवरों के चित्र जैसे दो बनैले भैंसे लड़ रहे हैं, हरिण का बाघ पीछा कर रहा है, झरने के पास कई जंगली जंतु बैठे हैं—बाघ हरिण, सियार आदि। इस मँझले कमरे के सामने अपस्टेज के डाकबँगले का प्रवेशद्वार। प्रवेश-द्वार से दिखाई देता है लंबा बरामदा। इस कमरे के दोनों ओर और दो कमरे। इन दोनों के दरवाज़े बैठक के अंदर हैं। दोनों ओर दो रेलिंगदार खिड़कियाँ। खिड़की से और दरवाज़े से होकर बाहर का बरामदा, पहाड़ जंगल आदि सब स्पष्ट दिखाई देते हैं। समय अपराह्न। सुव्रत बाहर से अंदर आता है। सुव्रत के हाथ में एक छोटी सूटकेस।

सुव्रत युवा है चिंतनशील। नाप-तौलकर बात करने की भंगिमा। पीछे उसकी पत्नी वेबी है। छरहरा बदन—दुबल। अचानक बहुत कुछ कर डालती तो बाद में अस्वाभाविक रूप से चुप हो जाती है। सुव्रत आकर टेबुल पर सूटकेस रख देता है। दोनों खिड़कियाँ खोल देता है। खिड़की से बाहर झाँककर आवाज़ लगाता है

सुव्रत चौकीदार चौकीदार !

(वह खिड़की से मुंह घुमाकर देखता है—वेबी कमरे

में आकर जहां खड़ी हुई थी, वहाँ वैसे ही खड़ी है।
हाथ से सूटकेस भी टेबुल पर नहीं रखी है। अत
सूटकेस उसके हाथ से लेते समय)

क्या ?

बेबी ऐं

सुव्रत क्या ?

बेबी नहीं।

सुव्रत क्या हुआ है तुम्हें ?

बेबी क्या ?

सुव्रत कुछ नहीं ?

बेबी नहीं।

सुव्रत बैठो।

बेबी (अन्यमनस्क भाव से बैठती है) भो

सुव्रत सूटकेस खोलने के लिए कहूँ ?

बेबी कपड़े निकाल दूं ?

सुव्रत सिर्फ मेरे ?

बेबी मेरे ?

सुव्रत कपड़े नहीं बदलोगी ?

बेबी क्या मेरे कपड़े गंदे हो गये ?

सुव्रत रास्ते की धूल-मिट्टी से

बेबी (उसी प्रकार अन्यमनस्क-सी) हूँ हूँ

(इसके बाद जाकर एक सूटकेस खोल कपड़े निकालती
है।)

सुव्रत रिलैक्स करो, बेबी—रिलक्स करो—तीन दिन रहेंगे यहाँ

बेबी यहाँ ?

सुव्रत (कपड़े हाथ में लेकर) फिर आये क्यों ?

बेबी पर यहाँ ?

सुव्रत हाँ यहीं तो रहेंगे। मौज करने

बेबी तुम मुझे मौज करने लाये हो ?

सुव्रत और क्या सोचा था ?

बेबी नहीं

(वह उठकर बाहर देखती है मानो आँखें घुमाकर
बाहर फिर नये सिरे से देख रही है।)

शायद तुम जानते थे कि यहाँ आने पर मैं आपत्ति करूँगी।

सुव्रत   आपत्ति क्या करोगी ?
वेवी   फिर आने से पहले नहीं बताया।
सुव्रत   सोचा था सरप्राइज दूंगा।
वेवी   यदि आपत्ति करूँ
सुव्रत   क्यों ? सुन्दर जगह चारों ओर पहाड़, जंगल एकांत
वेवी   ना, यहाँ नहीं रहेंगे।
सुव्रत   वेवी !
वेवी   गाड़ी तो है चलो और कहीं चलें।
सुव्रत   किन्तु यहाँ
वेवी   मुझे तो नहीं लगता, यहाँ ऐसा क्या आकर्षण है ?

(कहकर वेवी खिड़की के बाहर झाँकती है।)

सुव्रत   यहाँ तुम कभी पहले भी आयी थी क्या ?
वेवी   चौकीदार !
सुव्रत   कहाँ ?
वेवी   (और ऊँची आवाज से पुकारती है) चौकीदार !
सुव्रत   (वेवी के पास जाकर वैसे ही झुककर) चौकीदार ! (वेवी लौटकर सूटकेस में खुले कपड़े तह करने लगती है सुव्रत खिड़की से सिर घुमाकर पास आता है) आता है
वेवी   (तह किये कपड़े सूटकेस में सब हाथ से दबाकर) कहाँ ?
सुव्रत   (हें हें हँसते हुए) कहा न रूटीन लाइफ से यहाँ बिलकुल मुक्त
वेवी   चौबीसों घंटे खाली मुझे देखोगे ?
सुव्रत   तभी तो एक भी किताब नहीं लाया।
वेवी   ओह किताबें दुखी हो रही होंगी !
सुव्रत   चू रो रही होंगी !
वेवी   आह, बेचारी किताबें !
सुव्रत   यहाँ भी ईर्ष्या ?
वेवी   ईर्ष्या किताबों से नहीं।
सुव्रत   मुझे
वेवी   हाँ
सुव्रत   तुम्हें तो किताब लेकर रात दिन बैठने से मैंने मना किया नहीं।
वेवी   मैं अध्यापक नहीं।
सुव्रत   छोड़ गयी।

बेबी विश्वविद्यालय का

सुव्रत दर्शन का

बेबी दर्शन का अध्यापक मजा करता है ?

सुव्रत (हँसते हुए) खाली बैठे-बैठे किताब पढ़ता ?

बेबी (उपेक्षा से) ना।

सुव्रत तभी तो यहाँ

बेबी जोरदार धाइडिया

सुव्रत तीन दिन छुट्टी

बेबी यहाँ मौज करेंगे

सुव्रत सब भूल जायँ

बेबी सब ?

सुव्रत सब।

बेबी तुम किताब खोल गुमसुम बैठोगे नही।

सुव्रत ना।

बेबी मैं क्या करूगी ?

सुव्रत गीत गाना

बेबी नाचूगी नही ?

सुव्रत कॉलेज मे तुम नाचती थी ?

बेबी नाटक म अभिनय करती थी।

सुव्रत मैंने कभी अभिनय नही किया।

बेबी ओ !

सुव्रत देखा है।

बेबी अच्छा लगता है ?

सुव्रत अच्छा अभिनय अच्छा लगता है।

बेबी ओ !

सुव्रत सुबह उठकर घूमने जाना

बेबी पास के झरने तक

सुव्रत झरना ? (विस्मय से) तुमने कैसे जाना ?

बेबी (हँसते हुए) सोचा, होगा (बातचीत के दौरान सुव्रत खिडकी के पास चला गया। अचानक बाहर देख) आता है

बेबी चौकीदार ?

(सुव्रत हसकर सहमतिसूचक सिर हिलाता है। चौकीदार आ जाता है। उम्र काफी हो चुकी है। बातों के ढग से दूसरों की सेवा करने का सकेत।

चुपचाप नमस्कार कर व्यस्त होते हुए पास रखे सदूक को खोल पर्दा निकालकर खिडकी मे लटकाने लगता है।)

सुव्रत चौकीदार ?

चौकीदार (पर्दा आदि लगाने मे व्यस्त है।) जी, जरा देर हो गई इधर लोगो का आना-जाना भी उतना नही दो चार मुर्गे रखे थे कभी कोई आता तो एक-दो अडे वनबिलाव बहुत ऊधम मचाते हैं गदन मरोड सबको नष्ट कर डाला (आश्चर्य से) निकम्मा कब तक बैठता एक बकरी रखी है

सुव्रत ओ बकरी

चौकीदार रसोईघर के बरामदे म बाँधता हूँ जगली डाँगर खोल देने पर चला जायगा बीहड मे। कही झाडी कही थूहर वह आगे आगे बूढा आदमी, निगाह रखते-रखते कितना भागता फिरूँ।

सुव्रत (रहस्य भरे स्वर मे) क्या, लाये या बीहड मे छोड आये ?

चौकीदार लाया हूँ, बाबू।

बेबी (अचानक) बकरी एक पालतू जानवर है।

चौकीदार (काम रोककर) जी

बेबी मुर्गा एक पालतू पक्षी

चौकीदार जी जी

बेबी गाय एक

चौकीदार (कुछ नहीं समझा तो) जी ?

सुव्रत ना शहर मे बकरियाँ ज्यादा नही दिखती इसीलिए

चौकीदार (समझकर) जी जी

सुव्रत फिर कभी बकरी के पीछे

चौकीदार नही, बाबू, यहाँ कोई काम बाकी नही स्नानघर मे पानी रख दिया जी, गाँव पास ही आध मील रास्ता होगा एक दुकान है स्कूल है रात के भोजन के लिए सामान सब खरीद लाया

सुव्रत अच्छा अच्छा

चौकीदार डाकबँगले मे दो रहन के कमरे। इस ओर का उस ओर का आपके तो हुजूर दो कमरे जो चाहे। माँजी, आप देख आएँ जो पसन्द हो (चौकीदार दोनो ओर के दरवाजे खोलकर दाहिनी ओर के कमरे को लक्ष्य कर) इस कमरे

का रास्ता इधर से (बाएँ कमरे को लक्ष्य कर) उस कमरे का रास्ता उधर से बाहर की ओर बिना रेलिंग की एक सिढ्की है उधर से यह कोई रसोईघर म

सुव्रत जाओ।

बेबी घर देख आऊँ ? (जाते-जाते लौटकर बैठ जाती है।) बिना गये

सुव्रत वे लोग आते ही होंगे ?

बेबी वे लोग ?

सुव्रत (रसिकता से) बताओ तो वे कौन होंगे ?

बेबी कौन ?

सुव्रत (बात बदलकर) चौकीदार

बेबी (उठ सुव्रत के पास जाकर) कौन ?

सुव्रत तुम नहीं बता सकी।

बेबी कौन ?

सुव्रत अदाज नहीं लगा सकी।

बेबी ना।

सुव्रत (उत्कंठा बढ़ाने के लिए हँसते हुए) प्रतीक्षा भी नहीं कर सकीं।

बेबी कौन ?

सुव्रत सुराही मे पानी रखा है, चौकीदार ?

चौकीदार जी।

सुव्रत सब कमरा मे ?

चौकीदार (दाहिने कमरे मे जाते जाते) जी पीने का पानी सुराही मे हाथ धोने का बाल्टी मे

सुव्रत (सब ठीक-ठाक है या नहीं देखने की भगिमा से, चौकीदार के पीछे दाहिने कमरे मे जाता है) हूँ

बेबी (बैठकर) ओ

(वर्मा साहब आते हैं।)

वर्मा ओ

(वर्मा साहब प्रौढ़। अजीब वेशभूषा। एक कधे पर कमरा और दूसरे पर राइफल हाथ मे कई पैकेट।)

बेबी (उठकर) आ

वर्मा हैलो बेबी! कुछ असुविधा तो नहीं हुई ?

बेबी (अन्यमनस्क भाव से) ऐं !

वर्मा श्राइ बेट् कोई असुविधा तो नही ही हुई होगी।

बेबी ना

वर्मा (पकेट बेबी को ओर बढ़ाते हैं। बेबी उन्हें टेबुल पर रखती है।) चाय

बेबी (पकेट देखकर) लीफ टी

वर्मा कॉफी

बेबी रोस्टेड

वर्मा मिल्क

बेबी कडेंस्ड

वर्मा स्नैक्स

बेबी (पकेट जरा-सा चीरकर) साल्टेड बिस्कुट काजू चिवडे (रख देती है।)

वर्मा सेव, चना-कुरमुरा ? (पकेट फिर जरा खोलकर देखते हैं— आँख पड जाती है।) है। गुड्

बेबी (पकेट लेकर) गुड

वर्मा कैमरा (वे स्वयं कैमरा निकालकर रखते हैं।)

बेबी राइफल (बेबी राइफल वर्मा साहब के कधे से निकालती है। निकाल कर बाहर की ओर देखते समय) लोडेड ?

वर्मा (हँसकर) ना।

बेबी गोली ?

वर्मा (मानो कुछ याद आ गया जेब मे हाथ डाल जरा अस्तव्यस्त-से होकर खिडकी के पास जाते हैं।) लिली, पिछली सीट पर गोलियो का पैकेट छोड आया

सुव्रत (ठीक तभी लिली घर मे आती है।) पिछली सीट पर ?

(वे प्रतीक्षा किए बिना बाहर चले गए। पीछे-पीछे चौकीदार भी। बेबी टेबुल के पास आकर बदूक रखती है।)

वर्मा पॉवरफुल राइफल इससे एक बार बाघ मारा था।

बेबी यहाँ बाघ हैं ?

वर्मा लक देखा जाय

बेबी हरिण होगे

वर्मा शायद_।

बेबी बकरियां है।

वर्मा बकरी ?

वेवी झाडी-काँटे खानेवाली बकरी (वर्मा विस्मय से देखते हैं वेवी हँसते-हँसते व्याख्या करती है।) बकरी एक पालतू पशु बकरी बकरी।

(वह ज़ोर से हँस पड़ती है बिना समझे वर्मा भी ज़ोर से हँस पड़ते हैं। अन्दर लिली वर्मा आती है—उम्र पतोस के आसपास। देखने में खूब मोटी पहने है अत्याधुनिक पोशाक। साड़ी और ब्लाउज के बीच पेट के मांस की रेखा बाहर झूल पड़ती है लिली और सुव्रत कोई फलों की टोकरी दोनों ओर से पकड़कर झुलाते झुलाते ला रहे हैं। चौकीदार सिर पर दो-तीन सूटकेस उठाये आ रहा है। उस पर बन्दूक की गोलियों का बक्स। सब आ जाते हैं। चीजें टेबुल पर ढेर कर देने के बाद)

लिली हैलो, वेवी !

वेवी हैलो

(दोनो के इस प्रारंभिक वार्तालाप के बीच चौकीदार जाता है।)

वर्मा ओ के, सुव्रत ?

सुव्रत ओ के।

वर्मा लिली कहा था न कि ये लोग पहुँच गये होंगे। पहले यहाँ खबर भेजकर सारी व्यवस्था

लिली (पूछने की भंगिमा में) कितने पहले कब ?

वेवी अभी।

लिली एक ही बात है।

सुव्रत वेवी अस्वस्थ ?

वेवी नहीं।

लिली (वेवी का समर्थन कर) नहीं ।

सुव्रत यहा आकर वह खुश नहीं।

लिली वेवी ?

वर्मा वेवी ?

वेवी नहीं मैं अस्वस्थ नहीं।

लिली सुन्दर जगह

सुव्रत चारो ओर पहाड

बेबी (फलों की टोकरी उठाते समय) जगल

लिली बाघ हो सकते हैं।

वर्मा तुम मना कर रही थी राइफल लाने से।

(सुव्रत बेबी की मदद करने के लिए टोकरी पकड़ता है।)

बेबी सकूगी (वह टोकरी जैसे-तैसे उठाती है।)

वर्मा लिली

लिली हूँ

(लिली जाकर टोकरी उठाने में मदद करती है। दाहिने कमरे मे चली जाती है।)

वर्मा बेबी अस्वस्थ ?

सुव्रत ना।

वर्मा कहा

सुव्रत ना ।

वर्मा नही कहा ?

सुव्रत विरक्त

वर्मा क्यो ?

(लिली आ जाती है।)

लिली सुव्रत, तुमने बेबी से नही कहा था ?

वर्मा क्या ?

लिली यहाँ आने की बात ?

वर्मा सुव्रत ?

सुव्रत ना।

लिली क्यो ?

(सुव्रत उत्तर न देकर बेवकूफ की तरह हँसने हुए एक सूटकेस लिली की ओर बढ़ा देता है।)

वर्मा हम यहा आते है

सुव्रत ना।

लिली सँड

(लिली सूटकेस लेकर फिर अन्दर जाती है।)

सुव्रत सोचते हैं सँड ?

वर्मा (कुछ सोचने की तरह ऊपर की ओर देखकर) ऊँ ऊँ

सुव्रत सुना ?

वर्मा (वसे ही कुछ क्षण चुप। मानो समाधान मिल गया) हूँ।

सुव्रत क्या ?
वर्मा सोचता हूँ
सुव्रत मैड ?
वर्मा (सहज स्वर में) हो सकता है
सुव्रत ना।
वर्मा ना ?
सुव्रत कुछ समय म ठीक हो जायेगी
वर्मा यो
लिली (आकर) किन्तु
वर्मा क्या ?
लिली क्या बेबी
सुव्रत आदत
लिली ना
वर्मा सोचते हो और क्या ?
लिली (सुव्रत से) और क्या हो सकता है ?
सुव्रत नहीं और कुछ नहीं।
लिली आश्चय !
सुव्रत कहा न। कुछ समय बाद ठीक हो जायेगी
वर्मा (लिली की ओर सकेत कर) नहीं, आदत बदलना कठिन है।
लिली यह बात मुझे कहते हो ?
वर्मा तुम्हारी क्या आदत है ?
सुव्रत हो तो भी हज क्या है ?
वर्मा नहीं हज और क्या है ?
लिली तुम्हारी जितनी आदतें है

(बेबी आ जाती है सब को विस्मय से देखकर)

बेबी खूब !
वर्मा क्या ?
बेबी यहा जब रहने की बात तो चीजो को ?

(और चीजें उठाती है।)

सुव्रत क्या कह रही थी
बेबी क्या ?
सुव्रत कुछ समय म तुम ठीक हो जाओगी।
बेबी ठीक हो गयी ?
सुव्रत हू

बेबी तो ठीक हो गयी

(यह कुछ सामान लेकर अन्दर जाती है। पीछे-पीछे लिली जाती है। किन्तु उसके हाथ से वर्मा ले लेते हैं)

वर्मा रूम में ठीक कर लूं

(वर्मा अन्दर चले जाते हैं। वर्मा के लौटने तक लिली और सुव्रत की बातचीत खूब सहज और हलके भाव से चलती रहती है। बातचीत के दौरान लिली स्नक और फल आदि बीच-बीच मे खाती जाती है और सुव्रत को भी देती रहती है।)

लिली मुझे नही आना था।

सुव्रत क्यो ?

लिली वर्मा तो और तुम नही।

सुव्रत मतलब ?

लिली बेबी की उम्र मे मैं बेबी की तरह थी।

सुव्रत (कुछ न समझ) स्वाभाविक है।

लिली देह पर इतना मास न था।

सुव्रत मास !

लिली वर्मा कहते है मैं मोटी हो गई हूँ।

सुव्रत वर्मा फारेस्ट कट्राक्टर हैं न—टूर के लिए मोटी देह सुविधा-जनक नही होती।

लिली टूर करना मेरा काम नही।

सुव्रत नही यानी

लिली वे भी क्या टूर करते-करते—देह को पतली किये है ?

सुव्रत और ?

लिली फेल ।

सुव्रत फेल ?

लिली एक क्लास मे चार पाँच वर्ष।

सुव्रत (हँस पड़ता है) ओ !

लिली जीवन मे मैट्रिक पास न हो सका

सुव्रत यह बात नहीं जानता था।

लिली वर्मा भाग गये ।

सुव्रत अच्छा ।

लिली वही फॉरेस्ट का काम सीखा।

सुव्रत ओ हो !
लिली किसी से इसकी चर्चा नही करते।
सुव्रत पर तुम मुझे
लिली चु आ
सुव्रत तुमने बर्मा मे उनके साथ ?
लिली नही। वहाँ से लौटने पर।
सुव्रत ओ ?
लिली तुम ?
सुव्रत क्या ?
लिली उनके साथ कब ? !
सुव्रत बेबी के साथ ?
लिली न।
सुव्रत बर्मा के साथ ?
लिली हू।
सुव्रत याद नही फिर भी छोटी क्लास मे साथ पढे थे । इसके बाद
लिली यही पिछले वर्ष
सुव्रत मकान के लिए लकडी खरीदने गया तो देखा सॉ मिल मे बर्मा।
लिली उस दिन शाम को आकर मुझे कहा
सुव्रत क्या ?
लिली तुम्हें खाने पर बुलाया है।
सुव्रत पुराने दोस्त बहुत वर्षों बाद मिले
लिली स्वाभाविक !
सुव्रत उस दिन तुमने जो खिलाया न
लिली याद रखने लायक ?
सुव्रत नही तो भूल जाता !
लिली फिर तुमने घर से आकर जो कुछ खिलाया
सुव्रत क्रेडिट बेबी को है।
लिली तुम्हारी नही ?
सुव्रत मेरी ?
लिली आपत्ति न करो
सुव्रत ठीक है ।
लिली पर बताया नही
सुव्रत क्या ?

लिली (पास सरकते हुए) देह पर मेरे मास जम गया है ?
सुव्रत न-न, ज्यादा क्यो ?
लिली वर्मा कहते
सुव्रत सैंड
लिली (खुशी मे) सच् ?
सुव्रत (हँसकर) सच्
लिली तुम जाओ।
सुव्रत कहाँ ?
लिली वे लोग
सुव्रत घर सजा रहे होगे।
लिली घर तुम्हें अच्छा लगा ?
सुव्रत घर या जगह ?
लिली जगह।
सुव्रत सुन्दर। वर्मा की च्वॉयस
लिली ना। (सुव्रत विस्मय से देखता है।) मेरी
सुव्रत पर कह रही थी
लिली मुझे नही आना था।
सुव्रत क्यो ?
लिली वर्मा यायावर।
सुव्रत यानी ?
लिली अकेले घूमने मे मजा आता है उन्हे

(वर्मा आ जाते हैं।)

वर्मा खूब
सुव्रत (बाकी सामान उठाने मे व्यस्त होकर) न मतलब
वर्मा छोडो बाद मे
लिली बाद मे
वर्मा तुम तो फिर व्यस्त रहे मैंने बेबी से कहा

(बेबी एक गरम केतली लिये आती है।)

बेबी डाकबँगले का चौकीदार अनुभवी है कमरे के कोने मे छोटा-सा चूल्हा।
लिली पानी गरम कर रखा था ?
वर्मा उबल रहा था।

(वर्मा बडा बक्स खोलकर कप निकालते हैं सब उन्हें मदद करने के उद्देश्य से टेबुल के चारों ओर

बठते हैं। बेबी चाय उँडेलती जाती है और इन सबके बीच बातचीत चलती रहती है।)

सुव्रत स्नैक्स ?

लिली न ?

वर्मा बोलो तो पहले इस चाय का आइडिया मेरे दिमाग में कैसे आया ?

बेबी जगलो के कट्राक्टर ज्यादा चाय पीते हैं।

लिली बेमौके पर ?

वर्मा चाय के लिए मौका-बेमौका क्या ?

सुव्रत गदी आदत।

बेबी सुव्रत को चाय पीने का समय नहीं मिलता।

वर्मा यानी

बेबी दशन के अध्यापक

लिली भूल जाते हैं ?

बेबी न।

वर्मा सुव्रत ?

बेबी कहा, समय नही मिलता।

वर्मा स्ट्रेंज !

बेबी कालेज से लौटकर स्टडी के लिए चले जाते हैं।

लिली स्टडी म चाय पीने मे क्या असुविधा ?

बेबी अन्दर से किवाड बद कर लेते हैं।

लिली अदर से ?

सुव्रत एकात म पढाई-लिखाई

बेबी बहुत रात गये तक वहीं बैठते है।

वर्मा आ

बेबी देर रात गये किवाड खोल बाहर आते है।

सुव्रत इसके बाद चाय पीने की जरूरत नही होती।

लिली सुबह ?

बेबी रूटीन एक कप।

सुव्रत चीनी

लिली तुम ?

वर्मा न।

(लिली बेबी की ओर देखती है)

बेबी मैं कम चीनी खाती हूँ।

(सुव्रत कप उठाता है कि लिली पकड लेती है ।)

लिली रहने दो, मुझे भी जरा-सी जरूरत होगी

(उस ओर कमरे मे जाती है ।)

वर्मा मैंने बेबी से कहा था

सुव्रत क्या ?

वर्मा यहाँ आने की बात !

सुव्रत (हँसकर) ओ !

बेबी (लिली को लौटता देख) मिला ?

लिली (पकेट से एक चम्मच चीनी सुव्रत को देते समय) और ?

सुव्रत मुझ पर बेबी गुस्सा हो गयी है ।

लिली क्यो ?

वर्मा यहाँ आने की बात सुव्रत ने नहीं बताई थी।

लिली तुम ने तो यहाँ आकर तीन दिन रहने की सारी व्यवस्था पहले से ही की थी

वर्मा सुव्रत ने बेबी को नही बताया।

सुव्रत मैंने कहा, छुट्टी है चलो एक अच्छी जगह चलें ।'

बेबी मैंने साचा और कही।

सुव्रत और कही क्यो ? यह जगह भी अच्छी है ।

वर्मा एकान्त मे दो-तीन दिन काटेंगे ।

बेबी राइफल लाये हो शिकार करने ?

लिली बाघ का शिकार ?

बेबी बकरी का । चौकीदार की बकरी है

(सब हो-हो कर हँस पड़ते हैं ।)

लिली दो वर्ष पहले और एक बार आकर

वर्मा ओ तब नही हो सका तो क्या अब की भी नहीं होगा ।

सुव्रत लक्

वर्मा अब की मैं लकी हूँ ।

लिली (उठकर दाहिनी ओर के कमरे की तरफ संकेत कर) तुम इस ओर के कमरे मे रहोगे ।

सुव्रत (बायीं ओर के कमरे की तरफ हाथ दिखाकर) वह कमरा साफ है तो ?

वर्मा (हँसकर) चौकीदार अनुभवी

बेबी (उठकर बाएँ कमरे को देख) उस कमरे से छोटा ।

लिली चलेगा । उस ओर खुला बरामदा है ।

सुव्रत खुला ? यानी तुम ?

लिली यहा न, और एक बार आयी थी।

सुव्रत ओ ?

वर्मा उस वर्ष हम बसत ऋतु म आये थे। क्यों, लिली ?

लिली हूँ।

वर्मा उस कमरे म रहने पर लिली को सुविधा

लिली रहने दो

(चाय पीना समाप्त होता है। लिली और बेबी चाय के कप कोने में सदूक पर रखती हैं।)

वर्मा तुम हरदम जाकर बरामदे म बैठी न थी ?

लिली तुम तो शिकार के लिए गये, दो दिन के बाद लौटे तुम्हे कैसे पता चला हरदम का ?

सुव्रत जब थे तब, देखा होगा।

वर्मा झूठ ?

लिली अच्छा।

वर्मा अब की नही बैठ सकोगी।

लिली क्यो नही ?

वर्मा क्यो सुव्रत ?

सुव्रत न ।

बेबी न ?

वर्मा जब यहाँ आने का प्रस्ताव सुव्रत ने रखा

सुव्रत यहाँ आने की बात तुमने रखी।

वर्मा मैं मैं मैंने कहा यहाँ जाकर सब भूल जायें

बेबी (सिहर कर) सब भूल जायें ?

वर्मा (अचानक कुछ न सोचकर) किस, की क्या आदत है क्या बात कौन

सुव्रत (रसिकता में भर) तुम मेरे सूटकेस मे किताब खोज रही थी न मैं किताबें नहीं लाया।

लिली यहाँ बैठकर पढने के लिए स्टडी नहीं।

वर्मा (चिढ़ाने के स्वर में) तुम उस बरामदे मे बैठ न सकोगी।

लिली (हँसकर) तुम्हारी क्या आदत है बेबी ?

बेबी सुव्रत दिन-रात स्टडी मे रहे तो मैं बाहर घूमती।

सुव्रत (हँसकर) तो तुम घूम नही सकती। बैठी रहोगी।

बेबी (अचानक अवश हो उठती है।) बैठी रहूँगी

वर्मा चलोगी नही।

वेवी यानी ?

वर्मा चाय के वाद फुर्ती लग रही है

सुव्रत कितने वजेंगे ? (अपनी घडी देख) मेरी घडी वन्द हो गयी है।

वर्मा चार।

सुव्रत (घडी ठीक कर) चौकीदार रात का खाना

लिली नही, हम अपने हाथो। क्यो वेवी

वेवी हाँ।

वर्मा (विस्मय से रसिकता मे भर) क्या कहा अपने हाथो

लिली (नाटकीय ढग से रसिकता मे भर उत्तर देती है) जी

(इसके बाद बदूक और अन्य चीजें लेकर पास के कमरे मे जाती है। वेबी और चीजें लेकर दाहिने कमरे मे जाती है।)

वर्मा मुझे विश्वास नही होता।

सुव्रत क्या ?

वर्मा लिली रसोई बनायेगी।

सुव्रत क्यो ?

वर्मा देह मे इतनी चर्बी आग के पास

सुव्रत आ हो हो हो (हँस उठता है।)

वर्मा टूर मे जाने पर लिली को साथ नही लेता।

सुव्रत सैड।

वर्मा वडी अच्छा पकाती है ?

सुव्रत बुरा नही।

(कुछ क्षण नीरवता)

वर्मा बाहर चलें ?

सुव्रत अभी ?

वर्मा जगह देख आयें।

सुव्रत जगह ?

वर्मा स्पार्टिंग रात भर जगना पडेगा। शिकार

(लिली आ जाती है।)

लिली चलो।

वर्मा कहाँ ?

लिली शिकार की जगह। मैं चलूँगी।

वर्मा तुम ?

वेबी (आती है।) चौकीदार कहाँ है ?
सुव्रत अपने घर म होगा।
वेबी (खिडकी के पास जाकर) चौकीदार
वर्मा (बेबी से) चलो।
वेबी कहाँ ?
लिली देख आयें, रात मे कहाँ बैठकर वर्मा शिकार करेंगे।
वर्मा झरने के पास पहले स ही अच्छी जगह देखकर ठीक कर देनी चाहिए।

(चौकीदार आ जाता है।)

चौकीदार हुजूर, बुलाया ?
वेबी रसोई की सुविधा कहाँ रहेगी इस घर म ? (दाहिनी ओर सकेत कर) या ?
सुव्रत रसोईघर मे क्या सुविधा नही ?
चौकीदार सारी सुविधा है हुजूर पर
वर्मा असुविधा क्या है ?
चौकीदार कह रहा था न हुजूर, वह बकरी भात, रोटी, सब्जी जो गध पायेगी हरदम खाने के लिए मे मे करेगी। जितना खाने पर भी पेट नही भरेगा, हुजूर।
सुव्रत (हँसकर) बकरी को काटकर मास बनाने से ?
लिली कितनी कीमत है बकरी की ?
चौकीदार हुजूर !
वर्मा अरे नही-नही यो ही मजाक म
वेबी तो इस ओर के कमरे म (वह दाहिने कमरे मे जाती है।)
वर्मा तो तुम नही चलोगी ?
बेबी न।
लिली मैं चलूगी।
वर्मा तो तुम क्यो
सुव्रत तुरत लौट आयेंगे तो ?
वर्मा जगह देखकर।
वेबी मैं बैठकर सब्जी काटती हूँ।
लिली इहे देर होने पर मैं लौट आऊँगी।
बेबी मसाले पीस सकेगा चौकीदार ?
चौकीदार हुजूर जो भी इस बँगले म आता है मसाले बाटने की पारी मेरी ही होती है।

वेबी रहने दो, मुझे कोई असुविधा नही होगी।

(बेबी दाहिने कमरे मे जाती है।)

वर्मा लिली राइफल ।

(लिली बाएँ कमरे मे जाती है।)

सुव्रत राइफल का क्या होगा ?

वर्मा खाली हाथ जाना ठीक नही।

चौकीदार यहाँ पर बाघ दिन म नही आते पर महाड-जगल की बात ठहरी किसी समय नही •

(लिली राइफल लेकर आती है।)

वर्मा लाओ।

लिली मैं लिये हूँ। (कधे पर झुलाती है।)

वर्मा गोली ?

लिली (दाहिने कमरे की ओर बढती है।) उस कमरे मे।

सुव्रत लाता हूँ। कितनी ?

वर्मा यही दो-चार

(दाहिने कमरे मे सुव्रत जाता है।)

चौकीदार ।

चौकीदार जी

वर्मा डाकबँगला छोडकर न जाना।

चौकीदार जी हुजूर ।

वर्मा बहूजी अकेली हैं

चौकीदार जी हा जी

(सुव्रत आ जाता है।)

सुव्रत चार लाया हूँ।

वर्मा (लिली से) आओ ।

(लिली, वर्मा और सुव्रत निकलते हैं। चौकीदार मँझली टेबुल साफ करता है। बकरी की मे मैं सुनाई पडती है चौकीदार दाहिने कमरे के पर्दे के पास जाकर)

चौकीदार बहूजी

(बेबी एक प्लेट मे प्याज आलू काटते-काटते आती है।)

बेबी क्या है ?

चौकीदार (कुछ कहते-कहते अटक जाता है।) जी हुजूर ।

बेबी क्या ?

चौकीदार बकरी।
देवी या चिल्ला क्यो रही है ?
चौकीदार बाबू लोग बकरी के सामने से गये
देवी यानी ?
चौकीदार (सकोच मे भर) बहुत सयानी बकरी, हुजूर बँगले म कोई नया आता है तो पहचान कर चिल्लाती है।
देवी अच्छा !
चौकीदार कोई मुट्ठी भर मूडी कोई एक बिस्कुट, कोई सब्जी के छिलके
देवी यो !
चौकीदार मूर्ख है ? कुछ भी डाल देने पर चुप हो जायगी।
देवी अच्छा अच्छा !

(वह प्लेट रखकर अन्दर जाती है। कुछ बिस्कुट लाकर चौकीदार को देती है। वह चला जाता है। देवी उस कमरे मे बठकर सब्जी काटती है। बकरी चुप हो जाती है। घर मे आ जाते हैं वर्मा।)

लौट आय ?
वर्मा (बाहर की ओर सकेत कर) आइये !
देवी कौन ?
वर्मा अकेले म बोर लग रहा था ?
देवी पूछती हूँ कौन है ?
वर्मा लिली और सुव्रत तजी से आगे गये है।
देवी आप पीछे छूट गये !
वर्मा पिछडकर फायदे मे ही रहा।
देवी फायदा ?
वर्मा एक सज्जन के साथ भेंट हो गयी।
देवी सज्जन !
वर्मा नीचे गाडी के पास खडे थे।
देवी कौन ? किसकी बात है ?
वर्मा पूछने लगे स्पेयर बटरी है ?
देवी बैटरी ?
वर्मा वाले उनकी गाडी अचानक रास्ते म खराब हो गयी
देवी गाडी ?
वर्मा मैंने कहा
देवी यानी ?

वर्मा मैंने कहा, 'बाद म देखेंगे, आप असुविधा मे पड गये हैं। चलिये, रात मे हमारे साथ रह जाइये।'
देवी वर्मा साहब !
वर्मा जगल की जगह रात मे ये सज्जन कहाँ रहेंगे ?
देवी इसका मतलब
वर्मा देखेंगे बाद म जब सब लौट आयेंगे तो रहने की कोई

(जब सग्राम आ जाता है। छरहरा बदन। कपडे अस्त-व्यस्त। बात चीत मे दढ़ता। सग्राम आकर अपलक देवी की ओर देखता है। देवी निरुपाय और असहाय-सी खडी रह जाती है।)

ववी वे लाग
वर्मा ओ (परिचय कराने की भगिमा मे) ववी, मेरे प्राफेसर दास्त सुव्रत की पत्नी।
सग्राम ओ !
वर्मा (चचलता से) आप बैठकर बातचीत करें कुछ
सग्राम (चारों ओर देखकर) नही, कुछ असुविधा नही।
वर्मा सु क्या नाम बताया ?
सग्राम सग्राम।
देवी (हँस पडती है) सग्राम नही तो इस पहाड म घूमते-घूमते सोने की खान
सग्राम प्रॉस्पेक्टिग।
वर्मा चमत्कार !
सग्राम बहुत रिस्क क्योंकि
वर्मा बाद मे बाद म। एक्सक्यूज मी वे आगे बढ गये होग।
देवी जगली रास्ता, कहाँ जायेंगे ?
वर्मा झरने के पास जरूर गये होगे। वही स्पाट

(वर्मा जाते हैं। देवी अवश हो बठकर सब्जी काटती है। सग्राम चुपचाप दीवार पर टँगी बडी बडी फोटो देखता है कुछ क्षण बाद।)

सग्राम नयी लगी हैं । किंतु जगल म ये जगली फोटो क्यो ? हरिण का पीछा बाघ कर रहा है। बाघ का पीछा हरिण करता तो कैसा होता ?
(एक दो बार बकरी मे मे करती है। सग्राम खिडकी के पास जाकर।)

पहले वाले चौकीदार ने बकरी नही रखी थी।

वेवी (असहिष्णु होकर उठ पडती है।) इधर उधर की वेकार की बातें न बको सग्राम !

सग्राम पहले चौकीदार ने बकरी रखी थी ?

बेबी सग्राम !

सग्राम वर्मा साहब कह गये

वेवी सग्राम !

सग्राम तुम्हारे पति सुव्रत के दोस्त, वर्मा साहब

बवी ओ !

सग्राम तुम्ह अकेलापन महसूस होता होगा।

बेबी सग्राम !

सग्राम उनके लौटन तक बात चीत म समय काट दें ।

बेबी रहने दो ।

मग्राम तुम किस कमरे मे हो ?

बवी (दाहिनी ओर हाथ कर) इस कमरे मे ।

सग्राम कॉलिज के दिनो म एक बार मैं आकर उसमे रहा था।

वेवी सग्राम !

सग्राम और एक को निमन्त्रित किया था।

वेवी न ।

सग्राम पढत समय कालज-ड्रामा म अभिनय करता था।

वेबी अभिनेता ।

सग्राम अब उस पहाड को लीज पर लेकर सोने की खान की प्रास्पेक्टिंग करता हूँ ।

बेबी सोने की खान !

(बेबी छुरी लेकर प्याज काटना शुरू करती है।)

सग्राम वसे नही। हाथ कट जायगा।

(सग्राम प्याज लेकर टेबुल पर रख धार की धार काटता है ।)

प्याज ऐसे काटा जाता है

वेवी (कष्ट अनुभव करती सी) ओह !

सग्राम कहाँ से छोडा ? कालज म अभिनय

बेबी सोने की खान झूठ

सग्राम कॉलेज की कहानी मैं ऊँची क्लास म पढता था। अच्छा छात्र

देवी सोने की खान खोजना झूठ है।
संग्राम जिसके पास धन नही, वह गरीब है।
देवी यह काम कब से शुरू किया ?
संग्राम इसी डाकबंगले म निमन्त्रित किया था। कॉलेज-ड्रामा के बाद।
देवी यहाँ सोने की खान है, कैसे पता चला ?
संग्राम तब तक परिचय मित्रता मे बदल चुका था।
देवी कितना इन्वेस्ट किया है ?
संग्राम वह बडे आदमी की बेटी फिर भी प्रथम परिचय मे चाहना
देवी इतने रुपये कहाँ से मिले ?
संग्राम ड्रामे मे एक साथ अभिनय किया। इसके बाद निकटतर
देवी कैसे पता चला कि यहाँ सोना है ?
संग्राम ड्रामे के दूसरे दिन अकेले कॉलेज के बरामदे म भेंट
देवी झूठ। सोने की खान नही और ही कुछ।
संग्राम चुपचुप बातचीत भय आतंक आकर्षण
देवी बोलो और क्या ?
संग्राम निवेदन आत्मनिवेदन
देवी इस पहाड पर सोने की खान है ? झूठ!
संग्राम उसने मेरा विश्वास नही किया। जिसके पास धन होता है
नाम होता है वह दूसरे का विश्वास नही करता।
देवी पूछती हूँ बताओ, सोने की खान की बात झूठी नही ?
संग्राम शेक्सपियर ने मेरी मदद की
देवी संग्राम !
संग्राम रोमियो का कथन याद आ गया
देवी आह !
संग्राम नारी के आत्मनिवेदन का उत्तर
देवी संग्राम !
संग्राम मेरे मुह से रोमियो का उत्तर
देवी पागल !
संग्राम 'कॉल मी बट लव एण्ड आइ विल बी न्यू बैप्टाइज्ड।
देवी संग्राम !
संग्राम उसके कुछ दिन बाद निमन्त्रण।
देवी संग्राम !
संग्राम इसी डाकबंगले में।
देवी झूठ झूठ अभिनय !

(सग्राम हँसता हुआ देवी के पास आकर)

सग्राम वे लौटते होगे ।
देवी आयें ।
सग्राम तुम क्यो सोचती हो कि मैं सोन की खान की प्रास्पेक्टिंग नहीं करता ।
देवी करते हो ?
सग्राम हा
देवी नहीं ।
सग्राम अभिनय ?
देवी और क्या ?
सग्राम (निकल जाता है ।) ठीक है ।
देवी सग्राम !
सग्राम (रुक जाता है ।) तुम यहा क्या ?
देवी पिकनिक ।
सग्राम अच्छी सुदर जगह ह ।
देवी तुम्ह याद है ?
सग्राम क्या ?
देवी उस दिन हम स्थिर करते अपने विवाह की वात ।
सग्राम अभिनय !
देवी न ।
सग्राम उस दिन डाकबँगले म और कोई था ।
देवी हाँ, (अवश हो) और एक थे ।
सग्राम क्रोध मे घृणा से तुम यहाँ से चली गयी ।
देवी तुम और वह
सग्राम मोटी स्त्री । तुम से बडी ।
देवी हिस्स !
सग्राम इस कमरे मे (दाहिनी ओर सकेत कर) तुम सोयी थी ।
देवी रहने दो ।
सग्राम (बायीं ओर सकेत कर) इस कमरे म वह अकेली थी ।
देवी रहने दो छोडो
सग्राम तुम्हारे पति अध्यापक ?
देवी हूँ ।
सग्राम मैं नही हो सका ।
देवी सोने की खान मे लाभ अधिक है ।

सग्राम देखा जाय।

(चौकीदार श्रा जाता है।)

चौकीदार बाबुश्रो को लौटने म देर होगी, रसोई के निए पानी चढा दू ?

सग्राम तुम रसोई बनाग्रोगी !

वेवी पिकनिक है।

सग्राम ग्रोह !

चौकीदार रसोई के लिए

वेवी नही, श्रा जाने दो।

(चौकीदार जाने लगता है।)

सग्राम चौकीदार !

चौकीदार (श्रटककर) जी !

सग्राम श्राज रात तुम्हारे कमरे मे सोऊँगा।

चौकीदार (चौंककर) मेरे कमरे मे ?

सग्राम चलेगा। मज़े म चल जायेगा।

चौकीदार श्राप ?

सग्राम बाद म बाद मे बरशीश मिलेगी।

चौकीदार (समथन की भगिमा मे) जी हुजूर !

वेवी जाश्रो बाद मे बुलाने पर श्राना।

सग्राम बाद म हा, बाद मे

चौकीदार जी हुजूर जी !

(चौकीदार जाता है।)

वेवी चौकीदार के कमरे मे

सग्राम जगला पहाडो मे घमना पडता है श्रादत हो गयी।

वेवी किन्तु

सग्राम इस कमरे म तुम उस कमरे मे वर्मा साहब जरूर

वेवी वर्मा साहब श्रौर

सग्राम श्रौर फिर कौन ?

वेवी लिली।

सग्राम लिली ?

वेवी याद नही श्राता ? लिली

सग्राम लिली ?

वेवी वही मोटी मुझ से बडी

सग्राम (सोचते-सोचते) मोटी वडी यानी

वेवी फिर श्रभिनय ?

संग्राम विश्वास करो नाम नही पूछा। नही जानता।
वेवी वर्मा की स्त्री।
संग्राम वह भी
वेवी अभिनय न करो।
संग्राम विश्वास करो तुम्हारे जाने के बाद मैं भी चला गया था।
वेवी झूठ।
संग्राम लिली वर्मा साहब की स्त्री
वेवी क्या चले गये ?
संग्राम क्या ? (हँसकर) बेवकूफ !
वेवी संग्राम !
संग्राम अध्यापक प्योर पवित्र ?
वेवी संग्राम !
संग्राम मैं चरित्रहीन।
वेवी क्या आये तुम यहाँ पर ?
संग्राम पिकनिक
वेवी लिली के लिए।
संग्राम तुम्हारे लिए नही ?
वेवी इस्स !
संग्राम (सोचकर) लिली तुम मैं तुम्हारा पति लिली का पति
वेवी तुम चले जाओ।
संग्राम लिली जानती है ?
वेवी क्या ?
संग्राम तुमने जो देखा था।
वेवी नही।
संग्राम बचे।
वेवी बहुत दिन बाद लिली के साथ परिचय हुआ।
संग्राम तुम्हारे पति ?
वेवी क्या ?
संग्राम मेरी बात मुझे ?
वेवी नही।
संग्राम (हँसकर दृढ़ता से) नही जाऊँगा।
वेवी संग्राम !
संग्राम तुम्हारी पिकनिक का मैं अतिथि हूँ।

वेवी मग्राम !
मग्राम नामहीन अतिथि अभिनेता ऐक्टर !
वेवी (असहाय हो बठ जाती है।) अभिनेता, ऐक्टर !
सग्राम ऐक्टर ने अभिनय छोडकर नये काम म हाथ लगाया है। सोने की खान की प्रॉस्पेक्टिग प्योर सोना। वन-जगलो मे घूमता हूँ आदत हो गयी चौकीदार के कमर म रहने मे मुझे कोई कष्ट नही होगा।
वेवी ओह (असहिष्णु सी होकर वह खिडकी के पास चली जाती है।) लिली आ रही है
सग्राम लिली !
वेवी लिली वर्मा

(वेबी दाहिने कमरे मे जाती है। सग्राम मुडकर देखता है कि वर्मा आ जाते हैं।)

सग्राम (वर्मा को देख) स्पॉट ठीक किया ?
वर्मा नही।
सग्राम झरने के उस ओर
वर्मा जगल काटकर किसी ने साफ कर दिया।
सग्राम और थोडा आगे जाते तो
वर्मा आज और नही हो सकेगा।
सग्राम कल देखेंगे ?
वर्मा कल का सारा दिन पडा है कल जरूर
सग्राम हरिण या बारहसिंगे मिल जायेंगे।
वर्मा कई हरिण मारे है, अब शौक नही।
सग्राम बाघ ?
वर्मा बाघ
सग्राम असभव नही। मिल सकते है।
वर्मा देखा जाय

(सुव्रत आ जाता है।)

सुव्रत (वर्मा से) कितनी जल्दी सीढियाँ चढ आये।
सग्राम हाई जम्प !
सुव्रत (हँसकर) हाई जम्प इण्टरेस्टिग !
वर्मा (हँसकर) बहुत इण्टरेस्टिग हे ये सज्जन।
सग्राम रास्ते म गाडी खराब हो गयी, चल चलकर
सुव्रत जानता हूँ।

संग्राम आज रात
सुव्रत वर्मा कह रहे थे अच्छा हुआ।
(लिली आ जाती है। कंधे से बंदूक उतारती है।)
लिली ओह ।
वर्मा (परिचय कराने की भंगिमा से) लिली
संग्राम ओह ।
सुव्रत वर्मा साहब की पत्नी। (फिर ऊँचे स्वर मे पुकारते हैं।) बेबी।
वर्मा (लिली से) ये महाशय
सुव्रत जगल म खान
संग्राम सब कह चुके आप ?
वर्मा परिचय जितना जानता हूँ
संग्राम प्रास्पेक्टिंग करता हूँ।
सुव्रत सोने की खान ।
संग्राम हूँ ।
लिली (आखो मे आश्चर्य) सोने की खान ।
संग्राम सोना खोजता हूँ
(बेबी आती है।)
सुव्रत जानती हो, बेबी ?
बेबी हूँ ।
वर्मा भूलता हूँ नाम
बेबी अभिनेता
वर्मा } सुव्रत } अभिनेता ।
संग्राम ऐक्टर कालज म खूब अभिनय करता था ।
बेबी हा कालज म ।
वर्मा गुड ।
लिली क्या गुड ?
वर्मा बेबी पहले से जानती है ।
लिली बेबी ?
बेबी हाँ मैं अकेली मैं
सुव्रत फालतू
(बकरी मे-मे करती है।)
वर्मा फालतू ?
लिली चौकीदार की बकरी

संग्राम (अचानक अन्यमनस्क भाव से उठकर) बकरी एक पालतू जानवर

(बेबी मानो कुछ सुने बिना चली गयी।)

सुव्रत बेबी !

वर्मा (बेबी की बात को हँसी मे उडाकर) बकरी एक पालतू जानवर

(हो हो कर हँसता है।)

सुव्रत वर्मा

वर्मा (अचानक उठकर) दो बिस्कुट दे आता हूँ।

(वर्मा बाहर जाता है।)

संग्राम बन्द नही होगी।

सुव्रत बिस्कुट खाने पर

संग्राम और खाने के लिए मिमियायेगी।

सुव्रत (खीझ मे भर) रात-भर ऐसे ही

संग्राम बन्द हो जायेगी

सुव्रत कैसे ?

संग्राम खोल देने पर।

(संग्राम बाहर जाता है। सुव्रत के लिए खिडकी के पास खडा होकर बाहर देखता है।)

लिली सीढिया नही चढ सके।

सुव्रत (अन्यमनस्क भाव से बाहर देख) ऐं !

लिली सीढिया पर मेरे साथ नही चढ सके।

सुव्रत (खिडकी पर वसे ही देखते हुए) इण्टरेस्टिंग

लिली इण्टरेस्टिंग ?

सुव्रत बकरी कूदकर सीढियो से उतर जाती है।

लिली बिस्कुट ?

सुव्रत चौकीदार पीछा कर रहा है।

लिली चौकीदार ?

सुव्रत देखो, आओ खूब मजा। चौकीदार दौड नही पाता है।

लिली वर्मा साहब ?

सुव्रत वे भी चौकीदार के पीछे।

लिली वे ?

सुव्रत खडे होकर हँस रहे हैं।

लिली (खिडकी के पास जाकर बाहर देखती हुई) ऐक्टर !

(लिली हँस उठती है ।)

सुव्रत वेवी ठीक कहती है एक्टर ।

(सुव्रत भी जोर से हँसता है । वेवी आती है ।)

वेवी क्या हुआ ?

सुव्रत (हँसते हुए मुह फिराकर) ऐक्टर !

वेवी हा तो, ऐक्टर कालेज मे देखा है ।

सुव्रत (वसे ही हँसते हुए) कालेज मे ?

वेवी तुमने कभी नही देखा ?

सुव्रत ना ।

वेवी लिली ?

लिली ना ।

वेवी यही तो मैं कह रही थी कि सिफ मैंने ही देखा है । ऐक्टर

(सग्राम आ जाता है ।)

सग्राम कहता था बन्द हो जायेगा ।

वेवी बिस्कुट देने पर बन्द हो जाना ।

सग्राम ना ।

वेवी बकरी एक पालतू पशु ।

सग्राम ना ।

सुव्रत ना ?

सग्राम बकरी एक पालतू जगल का पशु

(वर्मा आ जाते हैं ।)

वर्मा चौकीदार पकड लाया है ।

सग्राम फिर मिमियायगी ।

वर्मा बिस्कुट दे आया हूँ ।

सग्राम बन्द नही होगी ।

सुव्रत बन्द न होगी तो जाकर खोल देंगे ।

सग्राम चौकीदार फिर पकड लायेगा ।

वर्मा फिर खोल देंगे ।

सग्राम फिर पकड लायगा ।

वेवी (असहनीय ढग से) वकरी एक पालतू पशु

सग्राम वकरी एक पालतू जगली पशु

(लिली उठकर बाएँ कमरे मे जाती है ।)

वेवी लिली (पीछे पीछे जाती है ।)

वर्मा रुक दो ।

(वर्मा बेबो की ओर बदूक बढा देते हैं। वह लेकर लिली के पीछे-पीछे कमरे मे जाती है।)

सुव्रत (आराम से बठकर) खूब मज़ा होगा।

वर्मा (वह भी बठ जाता है।) आज रात शिकार नही हो सकेगा ?

सुव्रत बैठे-बैठे गप्प मारेंगे

वर्मा (हँसकर) सब भूल जायेंगे

सुव्रत यहाँ आकर मैं सब भूल गया।

सग्राम खूब गप्प मारेंगे मैं ऐक्टर।

वर्मा ऐक्टर ! बकरी एक पालतू पशु

सग्राम (वर्मा का सशोधन कर) जगली पशु !

सुव्रत जगल का पशु।

(फिर सब एक साथ ताली मारकर हो हो हँस पडते हैं।)

द्वितीय अंक

(वही घर। दूसरे दिन की सध्या। एक लैप छत के ठीक नीचे झूल रहा है। उस प्रकाश मे घर आलोकित है पर प्रकाश की तीव्रता नहीं। पर सध्या के बाद रात बढने के साथ-साथ प्रकाश की तीव्रता बढने लगती है। कमरा और जरा सुरुचिपूर्ण ढग से सजाया गया है। जगल की डालियाँ दीवार पर लगाई गयी हैं। देवी कुछ टहनियाँ लेकर उस सजावट को अन्तिम रूपरेखा दे रही हैं। दाहिने कमरे से सुव्रत आता है।)

सुव्रत ऐक्टर लौटे नही ?

(सुव्रत आकर एक कुर्सी पर बैठता है।)

देवी ना।

सुव्रत खूब सोया।

देवी हाँ।

सुव्रत (स्मित हास्य से) रिलैक्स्ड।

देवी रात शिकार को जाओगे ?

सुव्रत रात मे उनीदे रहने की आदत है।

देवी शिकार किताबो की पढाई नहीं है।

सुव्रत किताबे बन्द कर ?

देवी हूँ।

सुव्रत किताबें नही लाया।

देवी खैरियत !

सुव्रत (जम्हाई लेकर) दोपहर म सोने पर

देवी आलस लगता है।

सुव्रत ना फुर्ती।

देवी ओ !
सुव्रत तुम तो सोयी नहीं ?
देवी कमरा सजा रही थी।
सुव्रत (उठकर चारो ओर निगाह डालकर) चमत्कार !
देवी (दिल्लगी करती हुई) अच्छा दिखता है ?
सुव्रत रियली चमत्कार !
देवी वर्मा ने यह सब लाया था।
सुव्रत कहा है ?
देवी स्पॉट पर।
सुव्रत लिली ?
देवी सोयी है।
सुव्रत सुबह का हेवी फूड
देवी हू।
सुव्रत (खिड़की के पास जाकर) चौकीदार !
देवी वर्मा के साथ गया है।
सुव्रत स्पॉट पर ?
देवी ये सब डालिया लेकर
सुव्रत ओ !
देवी जानते हो क्यो ?
सुव्रत कैमोफ्लेज
देवी शिकार स्पॉट पर।
सुव्रत तो आज जरूर
देवी बाघ।
सुव्रत कैसे जाना ?
देवी चौकीदार कहता था।
सुव्रत गुड !

सुव्रत जाकर दीवार पर सजी डालियो का निरीक्षण करता है।

देवी चाय पीनी ?
सुव्रत (अचानक) उस कमरे मे लाइट जलाने पर लिली डर जाएगी।
देवी उठने पर लगेगी ?

कुछ क्षण दोनो नीरव।

सुव्रत एक्टर को तुम कितने पहले से ?
देवी कहा तो था—कॉलेज से।

सुव्रत एक ही क्लास में ?
देवी ऊँची क्लास में।
सुव्रत अभिनेता से सोने की खान
देवी पागल !
सुव्रत पागल ?
देवी अभिनेता से सोने की खान !
सुव्रत ओ !

बाए कमरे से पर्दा हटाकर लिली आ खडी होती है।

लिली सध्या हो गयी।

देवी उठ उस कमरे मे जाना चाहती है।

सुव्रत कहा ?
देवी लाइट (अन्दर जाती है।)
सुव्रत मैं भी खूब सो गया था
लिली रात म शिकार को जाओगे ?
सुव्रत सुबह वर्मा कह रहे थे।
लिली मैं नही जा रही। देवी ?
सुव्रत नही जानता।
लिली (डालियो की ओर देखकर) तुमने ये सब ?
सुव्रत ना देवी।

देवी उस कमरे मे लाइट लगाकर आ जाती है।

लिली देवी चौकीदार की बकरी यदि इस कमरे म आ गई तो ?
देवी (आतक से) ना
सुव्रत ना ना, चौकीदार की बकरी यहा क्यो आयेगी ?
लिली वे कुछ कह गये है ?
देवी वर्मा ?
लिली हू।
देवी लौटते होगे।
लिली (बाए कमरे के पर्दे के पास जाकर) बन्दूक नही ले गये।
सुव्रत चौकीदार साथ है।
लिली (खिल्ली उडाने की तरह हँसी हँसकर) नशा
सुव्रत बाघ को यदि मार दें तो समझा नशा ठीक है।
देवी बाघ मिलेगा।
लिली कैसे जाना ?
देवी चौकीदार कह रहा था।

सुव्रत   रात मे बाघ आता होगा।
लिली   ना।
सुव्रत   कसे जाना ?
लिली   कल रात भर मैं उस ओर बरामदे मे बैठी थी।
सुव्रत   कल !
लिली   बाघ आता तो उसकी गध से बकरी मिमियाती।
बेबी   ना। बकरी की गध से बाघ गरजता है।
सुव्रत   एक ही बात है। किन्तु
लिली   क्यो बठी थीं ?
सुव्रत   क्यो ?
लिली   (हलके ढग से) नीद नही आयी।
सुव्रत   मैं भी कल रात नही सो पाया ठीक से।
बेबी   तुम !
सुव्रत   काफी रात गये तक गप्पें मारते रहे   ऐक्टर मजेदार आदमी है।
बेबी   चौकीदार के कमर मे उन्हें सोने के लिए भेजना उचित नही हुआ।
सुव्रत   मैंने बहुत कहा।
बेबी   ना।
सुव्रत   विश्वास करो, वर्मा ने भी अनुरोध किया।
लिली   वर्मा !
सुव्रत   (मजाक कर) तुम कहती तो शायद
लिली   (चौंककर) मैं ?

सुव्रत ने यह प्रश्न लिली या बेबी किससे पूछा जानना मुश्किल है क्योकि वह दोनो की तरफ देख होठ भींचे हँस रहा है।

बेबी   मैं ?
लिली   कल कुछ घटो के परिचय से
बेबी   कॉलेज मे जानती जरूर थी   किन्तु
सुव्रत   छोडो कल की बात तो लौटेगी नही पर आज
लिली   आज ?
सुव्रत   जाते समय वर्मा ने अनुरोध किया है।
बेबी   वर्मा !
सुव्रत   मैंने भी कहा, दिन-भर घूम-घूमकर सोने की खान की जी भर खोज करें या बीच मे गाडी उठाने की चेष्टा करें   हम

तीन दिन रहेंगे रात में किन्तु हमारे साथ

लिली जोरदार बातें कह सकते हैं।

बेबी जोरदार अभिनय

सुव्रत कहते थे।

बेबी क्या ?

सुव्रत समय मिला तो अभिनय दिखायेंगे (जरा चुप रहकर) मोनो एक्टिंग।

संग्राम आता है, गीत गुनगुनाने की-सी भगिमा में।

संग्राम बकरी जगल का एक पालतू पशु।

सुव्रत (स्वागत करने की भगिमा में) देर हो गयी।

संग्राम बकरी जगल का एक पालतू पशु—इस बात को कई प्रकार से कहा जा सकता है।

बेबी यानी ?

संग्राम जगल की बकरी एक पालतू पशु एक पालतू पशु बकरी जगल की पालतू पशु बकरी जगल की एक, पशु बकरी एक जगल की पालतू पालतू जगल की बकरी एक पशु एटसेट्रा एट्सेट्रा, एटसेट्रा।

बेबी (हँसकर) ऐक्टर

संग्राम ऐक्टर

सुव्रत (हँसकर) ऐक्टर

संग्राम वर्मा साहब ?

बेबी नहीं लौटे।

सुव्रत स्पॉट को।

संग्राम बकरी घुस गयी थी पकड़ लाया हूँ।

बेबी नहीं, और नहीं मिमियाती।

संग्राम बाँध दिया है ?

लिली उठकर बाएं कमरे में जाती है।

रहने दो।

लिली (अटककर) क्या ?

संग्राम बकरी को ले आता हूँ।

बेबी इस कमरे में !

सुव्रत बेबी ने सजाया है कमरे में आने पर खा जाएगी।

संग्राम (टेबुल पर पड़ा चाकू उठाकर उसकी धार देखते हुए) हूँ !

बेबी क्या ?

सग्राम (हँसते हुए) बकरी काटें।
लिली (चौंककर) बकरी !
सग्राम वर्मा साहब श्रा जायें।
वेबी यानी।
सग्राम रात मे बकरी के मास की चॉप
सुव्रत ऐक्टर
सग्राम श्राप चारो चार पैर पकडेंगे मैं
लिली ना।
सग्राम खूब तेज चाकू (एक डाल काटकर) डाल कट जाती है।
वेबी (चौंककर) ना।
सुव्रत ऐक्टर पहाडो मे श्राज दिन-भर घूम घूमकर शायद सोने की खान का सधान पा गये हैं।
लिली कैसे जाना ?
सुव्रत इतने खुश
सग्राम सोने की खान का सधान पान पर खुश होता ?
सुव्रत तो ?
सग्राम (मानो क्लाति का अनुभव करता है। एक कुर्सी पर बैठकर।) श्रोह, जरा बैठ जाऊँ।
सुव्रत खूब घूमे ?
सग्राम खूब।

बाहर से श्राते हैं—वर्मा श्रौर चौकीदार।

वर्मा स्पॉट रेडी।
सुव्रत कितनी दूर ?
वर्मा चौकीदार
चौकीदार जा, रास्ता श्राधे मील के करीब होगा पर पहाडी से घूमकर जाने पर
वर्मा मील भर।
सग्राम बकरी खुल गयी थी।
चौकीदार जी हुजूर !
सग्राम पकड लाया हूँ।
चौकीदार नही जी साफ हो गयी, नही जाएगी नही, श्रपने श्राप बाडे मे श्राकर पहुँच जायेगी।
सग्राम कब जायेंगे ?
वर्मा चौकीदार ?

चौकीदार रात थोडी और हो जाय, हुजूर।

सग्राम वाघ या हरिण ?

चौकीदार जी, वन जगल की वात पर झरने का पानी पीने हरिण आने पर वाघ भी आयगा।

सुव्रत कैमोफ्लेज ?

वर्मा परफैक्ट।

सुव्रत चाय जरा-सी हो सकेगी ?

बेबी नही सकेगी का मतलब ?

लिली उठकर दाहिने कमरे मे जाती है।

बेबी रात के लिए नाश्ता भी तो बना पडा है।

सुव्रत अच्छा।

बेबी दोपहर म तुम सोय, अकेले बैठे वठे

सुव्रत बेबी ने घर सजाया है।

सग्राम ओ नाइस !

बेबी रात के लिए नाश्ता बना दिया है।

वर्मा मैं नही खाऊँगा, खाने पर नीद आयेगी।

सुव्रत चाय पीने पर नीद छूट जाएगी।

वर्मा ना और चाय नही पिऊँगा। चौकीदार

चौकीदार जी।

वर्मा तुम जाकर खा लो।

चौकीदार जी।

सुव्रत बेबी ?

बेबी आओ।

आगे बेबी और पीछे पीछे चौकीदार दाहिने कमरे मे जाते हैं।

वर्मा बवी शान्ति हो गयी है।

सुव्रत अदभुत रूप स।

सग्राम शान्त ?

वर्मा किन्तु लिली

सुव्रत कल रात म

सग्राम नही सोयी।

सुव्रत कसे जाना ?

सग्राम अनुमान।

वर्मा ओ !

सुव्रत तुम ?

वर्मा बिस्तर पकडते ही मुझे नींद आ जाती है। तुम ?

सुव्रत रात देर गए तक बैठे बैठे पढना मेरी आदत है।

वर्मा कल रात ?

संग्राम अच्छी नींद नहीं आयी।

वर्मा कैसे जाना ?

संग्राम अनुमान।

वर्मा हमें अफसोस है।

संग्राम क्या ?

सुव्रत चौकीदार की कोठरी म

संग्राम कोई असुविधा नहीं हुई।

वर्मा किन्तु

संग्राम (अचानक प्रसंग बदलकर) वह रह ये कहानी सुनाय।

वर्मा कहानी ?

संग्राम एक बार एक सज्जन ने तय किया अँधेरे म रहा जाय।

वर्मा अँधेरे म ?

संग्राम एक पहाडी गुफा चुनकर उसी म रहे।

सुव्रत ऐब्सर्ड !

संग्राम कई दिन रहे अनुभूति

वर्मा वहाँ खाना पीना ?

संग्राम उपवास भूख प्लैजर

सुव्रत फालतू।

सुव्रत उठ खडा होता है। लिली चाय लिये आती है, सबकी ओर चाय बढ़ा देती है। चाय पीते पीते।

वर्मा आज कितनी दूर गये ?

संग्राम बहुत दूर।

सुव्रत गाडी ?

संग्राम वहीं पडी है।

सुव्रत ओ

वर्मा कल फिर

संग्राम दूसरा पहाड।

लिली चीनी ?

संग्राम ना।

बेबी आती है।

वेबी चौकीदार खा रहा है।

बातचीत वसे हो चलती है।

सुव्रत सोन की खान पा जाने पर क्या कराने ?

सग्राम (हँसकर) सब साने की खानें सरकार की।

वर्मा स्टेंज तो फिर लाभ ?

सग्राम इतना घूमना, इतना कष्ट

सुव्रत हा, क्या ?

सग्राम कालेज मे अभिनय करने की गहरी भोक थी। सोचा, उसम नाम होगा नही। यदि अदभुत कुछ करूँ

वर्मा सोने की खान

सग्राम खूब नाम होगा।

वर्मा और अभिनय नही करत ?

सुव्रत कल तो वह रह थे मोनो ऐक्टिग वरेग।

सग्राम यहा सुविधा होगी ?

वर्मा स्टेज नही ?

सग्राम लाइफ इज ए स्टज किन्तु

वर्मा समय काटना होगा।

सुव्रत मेरा जीवन एक स्टज!

लिली क्लास मे स्टेज पर खडे होकर लडको को पढात

वेबी स्टज पर नही प्लेटफाम पर।

सग्राम प्लेटफाम पर पालिटीसियन खडा होकर भाषण देता है।

सुव्रत पिताजी की इच्छा थी कि मैं पालिटिक्स करूँ।

वेबी फेल हो जाते।

सुव्रत तुमने कैसे जाना ?

लिली पालिटिक्स की नही ?

सुव्रत सोचा, जरा पढाई लिखाई कर सौलिड हा जाऊँ।

वर्मा (हँसकर) पालिटिक्स स फिलास्फी!

सुव्रत फिलास्फी सहज है।

लिली पालिटिक्स करने पर इनकी तरह खाली घूमत।

वर्मा आदमी जितना घूमेगा उतने ही पसे पायेगा।

सग्राम मैं घूमता हूँ, सोने की खान पा सकता हूँ पर सारी खानें सरकार की।

वेबी नाम होगा।

वर्मा बचपन मे मैं अच्छा पढता था ।
सुव्रत वर्मा !
वर्मा अच्छा नही पढता था ? तब तुम्हे ठीक से याद नही। फस्ट नही होता था ?
सुव्रत फस्ट !
वर्मा अच्छा खेलता था।
सग्राम फुटबॉल ?
वर्मा सब। अच्छा स्पोर्ट्समन था।
लिली स्पोर्टसमैन इतना नही सोता। उपवास नही करता।
वर्मा रात मे जागना है इसलिए तो नही खाता।
सग्राम सारे दिन घूमे हो।
वर्मा हमारे अनुरोध पर लौट आने के लिए
सग्राम कृतज्ञ।
सुव्रत खुशी।
सग्राम सोचा, आज नही आऊँगा।
लिली क्यो ?
सग्राम इतने अपरिचितो के साथ इस तरह
वर्मा कल जरूर परिचय न था पर आज सब परस्पर परिचित
सग्राम दोस्त।
वर्मा श्योर, दोस्त।
सग्राम कितनी देर बैठकर गप्पें मारेंगे ?
वर्मा यानी ?
सुव्रत भूख लगी ? खायेंगे ?
सग्राम दिन भर घूमा हूँ
सुव्रत मैं भी
वेबी चाय क्यो पी ?
सग्राम मैं भी न पीता ता
वर्मा (उठकर) लिली
लिली यही ?
वर्मा (उठकर बाए कमरे मे जाते-जाते) तुम खाते रहो मैं पोशाक

वर्मा बाए कमरे मे जाता है।

लिली तो मैं

लिली भोजन लाने के लिए तुरत दाहिने कमरे मे जाती है।

संग्राम मैं अब और यहाँ अतिथि नहीं।
सुव्रत (हँसकर) वर्मा ने कहा दोस्त।
संग्राम दोस्त मदद करूँ।

संग्राम लिली के पीछे दाहिने कमरे में जाता है।

सुव्रत शिकार पर तुम जाओगे ?
बेबी ना। दोपहर में सोयी नहीं।
सुव्रत इसका मतलब मैं सोया हूँ तो

बेबी खाने के लिए टेबुल सजाने लगती है।

बेबी झूठ बोले।
सुव्रत क्या ?
बेबी पालिटिक्स !
सुव्रत हाँ, तो ?
बेबी ना झूठ। तुम्हारे पिताजी ने कभी नहीं चाहा कि तुम पालिटिक्स करो।
सुव्रत वर्मा तो बोले वे क्लास में फर्स्ट होते थे।
बेबी स्ट्रेंज !
सुव्रत एक्जैक्ट ! वे फेल होते थे।
बेबी वे स्पोर्ट्समैन थे।
सुव्रत मैं भी अच्छा खेलता था।
बेबी ना।
सुव्रत तुमने कैसे जाना ?
बेबी बुकरूम।
सुव्रत बेबी !
बेबी पिताजी गीड़े।
सुव्रत बेबी !
बेबी स्टडीरूम में किवाड़ बंद कर पिताजी गीड़े बचपन से
सुव्रत आज आज भी (सुव्रत बेबी के पास आकर, आवेग से बेबी को दोनों हाथों में लेकर बाल में भींचकर, फुसफुसाहट के स्वर में) बेबी बेबी बेबी
बेबी (स्वयं को छुड़ाने की चेष्टा कर) अरे दूसरे कमरे में
सुव्रत (बिना छोड़े) दोनों बुकरूम ?
बेबी उस कमरे में वर्मा लिली एक्टर।
सुव्रत कल रात सो न सका।
बेबी ठाठ।

सुव्रत   ना वालो बुकवम ?

बेबी   (सुव्रत के चेहरे को कुछ क्षण तन्मय भाव से देखते हुए) हाँ।

सुव्रत   (दृढ स्वर मे) ना।

वर्मा   (बाए कमरे से) सुव्रत बल्ट

एक बिजली के धक्के की तरह सुव्रत बेबी को छोड कर बाए दरवाजे के पास जाते जाते।

सुव्रत   बैल्ट

बेबी   कमर मे बैल्ट बाधने के लिए

वर्मा   (उसी कमरे से) सुव्रत

सुव्रत उत्तर दिये बिना ही बाए कमरे मे जाता है। बेबी पुन टेबुल सजाने लगती है। प्लेट मे चाय आदि लेकर सग्राम आता है।

सग्राम   (प्लेट रखते हुए) अच्छे वन हैं। (बेबी को विस्मय से देखते हुए पाकर) चख लिया।

बेबी   लिली ?

सग्राम   रोटी सेंक रही है।

बेबी   बातचीत हुई ?

सग्राम   ना।

बेबी चुपचाप खाली प्लेट आदि सदूक से निकालकर टेबुल पर सजा रही है।

सग्राम   कारण जानती हो ?

बेबी   क्या ?

सग्राम   मैं निरापद नही।

बेबी   यानी ?

सग्राम   मैं अकेला वर्मा सदेह करेगा।

बेबी   और सुव्रत मुझे ?

सग्राम   ना।

बेबी   कस जाना ?

सग्राम   सुव्रत जानता है कि, मुझे तुम जानती हो।

नीरवता छायी रहती है।

बेबी   सच सोने की खान की प्रास्पेक्टिग करते हो ?

सग्राम   कल तो पूछा था।

बेबी   मुझे विश्वास नही होता।

सग्राम   तुम एक बार और मेरे साथ इस डाकबगल म आयी थी।

वेवी (श्रात स्वर मे) सग्राम ।
सग्राम अभिनय
वेवी शिकार को जाओगे ?
सग्राम ना ।
वेवी दिन-भर खूब घूमे हो ।
सग्राम थकावट
वेवी खाकर सो जाओगे ?
सग्राम और क्या करूँगा ?
वेवी चौकीदार की कोठरी म ?

लिली एक प्लेट मे ब्रेड लिये आती है ।

लिली सब गरम कर दिया है ।
सग्राम (जोर से आवाज देता है) वर्मा साहब ।
वर्मा (बाए कमरे से) कपडे पहन रहा हूँ ।
वेवी (ऊँची आवाज मे) रोटी ठडी हो जायेगी ।
सग्राम (ऊँची आवाज मे) ठडी नही (वेबी की ओर सकेत कर) भूख लग आयी ।
वेबी झूठ ।
सग्राम झूठ ?
वेवी झूठ नही ?
लिली हूँ

सुव्रत आ जाता है ।

सुव्रत बठो । वर्मा तो खायेंगे नही

सब बठने लगते हैं ।

सग्राम चॉप अच्छे बने हैं ।
सुव्रत कैसे जाना ?
सग्राम पहले ही चख लिया ।

सुव्रत हो हो हसकर खाना शुरू करता है ।

लिली कैसा ?
सुव्रत अच्छे है ।
लिली वेवी कम्प्लीमट ।
सुव्रत दोपहर म मैं सो गया था । वेबी बैठी
लिली मैं भी सो गयी ।
सग्राम दोपहर म मैं उस पहाड पर ग्राफ चला रहा था ।
लिली ग्राफ ।

सग्राम गोल्ड डिटेक्टर।

शिकारी पोशाक पहने वर्मा का प्रवेश।

वर्मा पोशाक कैसी है ?
सग्राम शिकारी पोशाक।
वर्मा टाइट बेल्ट।
लिली नया
सग्राम (उठकर बल्ट देखकर) फिट बैठा है।
सुव्रत मैंने फिट कर दिया।
देवी स्पोट समैन।
सग्राम (हँस उठता है) अच्छा ।
सुव्रत कहा कि मैंने बल्ट फिट किया है।
वर्मा मैं नही सका।
सुव्रत मैं सका।
वर्मा इसके लिए जोर चाहिए।
सुव्रत ज़ोर नही कौशल।
वर्मा बाघ के शिकार के लिए कौशल चाहिए।
सग्राम कौशल या एकाग्रता ?
देवी एकाग्रता या साहस ?
गिरी साहस या लक्ष्य ?
वर्मा ना कौशल।
देवी (सुव्रत से) तुम अच्छा शिकार कर सकोगे।
सुव्रत (चौककर) मैं ?
सग्राम चेष्टा करने पर कुछ असाध्य नही।
देवी शिकार अभिनय नही।
सग्राम अभिनय छोड दिया है।
सुव्रत कहते थे अभिनय दिखाऊँगा
सग्राम अभी ?
सुव्रत खाने के बाद।
वर्मा आज नही, कल।
सग्राम कल भी यहाँ रहूँगा ?
देवी सोने की खान खो नही जाती।
वर्मा आज शिकार खत्म होने दो।
सग्राम कल मेरे साथ चलेंगे ?
सुव्रत कहाँ ?

सग्राम   सोने की खान खोजन ।

वर्मा   बुरा नही ।

खाना समाप्त हो चुका, बेबी प्लेट उठाती है ।

वेवी   बुरा नही ।

सुव्रत   नही कल दिन भर बठकर गप्प मारेंगे ।

वर्मा   इतनी क्या गप्प मारेंगे ?

सुव्रत   अभिनय देखेंगे ।

सग्राम   मेरा अभिनय ?

बेबी   दिन-भर

सुव्रत   रात म भी

बेबी   आज   ?

सग्राम   शिकार ।

लिली   रात म यदि बाघ न मिले ?

सग्राम   हरिण मिल सकता है ।

वर्मा   चौकीदार कहता था वहाँ हरिण भी आते हैं ।

लिली   यदि हरिण मारो तो कल मास मैं पकाऊँगी ।

सुव्रत   हरिण का मास बकरी के मास जसा नही ।

लिली   पका सको तो कोई भी मास अच्छा है ।

सुव्रत आकर अपने पेट की ओर देखकर

सुव्रत   हैवी ।

वर्मा सुव्रत के पास आकर पेट पर हाथ मारकर

वर्मा   हैवी ।

लिली   ज्यादा खाने पर नीद आती है ।

वर्मा   मैंरे पास बैठने पर मैं उठा दूँगा ।

सग्राम   फिर सो सकते है ।

सुव्रत   असम्भव नही ।

लिली   असम्भव नही ।

बनी   सारी दोपहर सोये हैं ।

सुव्रत   तो रात म नही सोऊँगा ?

सब खा चुके थे । बेबी और लिली प्लेट आदि लेकर पास वाले कमरे मे रखने चली जाती हैं ।

सग्राम   खाना जोरदार हुआ ।

वर्मा   बबी अच्छा पकाती है ।

सुव्रत   बिना खाये सर्टिफिकेट ?

वर्मा पहले खाया है।
सुव्रत लिली भी अच्छा पकाती है।
संग्राम स्त्रियाँ अच्छा पकाती हैं।
वर्मा सब नहीं, कोई-कोई।
संग्राम जो अच्छा पकाती हैं, उनके पति भाग्यवान!
सुव्रत पति!
संग्राम पति।
वर्मा आपकी पत्नी अच्छा नहीं पकाती?
संग्राम मेरे पत्नी नहीं है।
वर्मा यानी अब तक विवाह ?

ठीक तभी बेबी आ जाती है। संग्राम बेबी की ओर देखकर

संग्राम ना।
सुव्रत ओ ?
वर्मा (हँसते हुए) उम्र ढल गयी।
संग्राम साने की खान खोज रहा हूँ
वर्मा साने की खान खोजे पत्नी नहीं मिलेगी।
संग्राम अभिनय करने पर ?
सुव्रत ऐक्टर

लिली आती है। संग्राम लिली को देखकर

संग्राम सब ऐक्टर
सुव्रत थ्योरी
संग्राम आप नहीं ?
सुव्रत ऐ सड!
संग्राम आप ?
वर्मा ऐक्टिंग और मैं ? हैवन्स !
संग्राम आप ?
वर्मा मैं ? ना ... हाँ, देखा है कई ऐक्टिंग देखी हैं।

संग्राम वही प्रश्न लिली से पूछने की तरह मुँह उठाकर देखता है।

लिली (मजाक से) ऐ क्ट इ ग
संग्राम शायद नहीं ?
लिली ना।
संग्राम सब नहीं ?

वर्मा सब ।
सुव्रत एक को छोड़कर ।
संग्राम मुझे ?
वेबी हाँ ।

बाहर से चौकीदार आता है । सब उसे देखते हैं, मानो उसका इस समय आना अवांछित है ।

लिली क्या ?
चौकीदार एक रोटी हुजूर यह बकरी जितना देंगे यह खाऊँगी कहेगी, और देने पर और खायेगी यदि कुछ बची हो तो हुजूर ।
सुव्रत बची हैं ?
वेबी एक जेट रखी है

वेबी दाहिने कमरे में जाती है ।

वर्मा कितने बजे चलेंगे ?
चौकीदार रात तो हुई नहीं अभी से जाने पर खाली बैठे-बैठे कमर और पीठ म न्द करना होगा । आपने अभी से यह पोशाक वगैरह पहन (वेबी लौटकर रोटियों की जेट चौकीदार को बढ़ा देती है ।) समय होने पर मैं आ जाऊँगा, हजूर ।

चौकीदार चला जाता है ।

रमा (अस्थिर होकर) बेकार ।
सुव्रत क्या ?
वर्मा (बैठकर) समय काटना पड़ेगा
लिली (सहानुभूति दिखाकर) बोरिंग
वर्मा बोरिंग
संग्राम कहानी सुनेंगे ?
सुव्रत या एक्टिंग ?
वर्मा इंटरेस्टिंग कहानी ?
संग्राम इंटरेस्टिंग ।
वर्मा तो जरूर ट्रू स्टोरी ।
वेबी शिकारी कहानी ?
संग्राम नहीं ट्रू स्टोरी ।
वर्मा शिकारी की कहानी ट्रू स्टोरी ।
संग्राम अन्य कहानी भी ट्रू स्टोरी ।
सुव्रत कहानी रहने दो ऐक्टिंग
वर्मा नहीं कहानी ।

सग्राम उठकर कहानी कहने की भगिमा मे शुरू करता) है।

सग्राम एक बार एक सज्जन ने तय किया

सुव्रत अँधेरे मे

वर्मा एक पहाडी गुफा चुनी

सग्राम नही, एक डाक-बँगला।

लिली (चौंककर) डाक बँगला!

सग्राम जगल-पहाडो के बीच एक डाक बँगला।

वर्मा आश्चय

सुव्रत रियली

सग्राम डाक-बँगले म आकर देखा

सग्राम लिली की ओर देख अचानक चुप हो जाता है।

लिली क्या?

सग्राम बताइए, क्या देखा होगा?

सुव्रत मैं नही सोच पाता।

सग्राम आप?

वर्मा बाघ।

सग्राम ना।

देवी हरिण?

सग्राम ना।

लिली बकरी।

सब हस पडते हैं।

सग्राम नही, एक महिला।

अचानक सब गभीर हो जाते हैं।

वर्मा }
सुव्रत } महिला!

सग्राम अकेली

सुव्रत पिकनिक पर

सग्राम पिकनिक पर अकेले रही आते।

वर्मा जरूर कोई फॉरेस्ट अफसर

देवी फॉरेस्ट अफसर?

वर्मा पति के साथ टूर पर गयी होगी।

सग्राम नही पूछा।

सुव्रत क्या हुआ ?
संग्राम अकेली बाहर बरामदे में बैठी थी।
वर्मा आकाश को देखती तारे गिन रही थी।
लिली तारे।
संग्राम ना।
सुव्रत तो रात म नही।
संग्राम दोपहर म।
सुव्रत डाक-बँगले के अहात म पेड गिनर ही थी।
देवी या पहाडी की चोटी
संग्राम कोई नही बता सका।
लिली तो ?
संग्राम (सबकी ओर पीठ कर खड़े होकर) बैठी हुई अपनी अँगुली चूस रही थी।
सुव्रत फनी।
संग्राम (घूमकर) अपनी अँगुली
वर्मा अपनी अँगुली।

वर्मा अपनी अँगुली चूसकर देखते हैं।

संग्राम मैंने सोचा कट गयी है।
देवी कटी अँगुली ?
संग्राम ना।
सुव्रत स्ट्रेंज।
वर्मा (वैसे ही अँगुली चूसकर) कुछ समझ नही पाता।
संग्राम अपनी अँगुली खुद चूसन से पता नही चलेगा।
सुव्रत (आग्रह से) इसके बाद ?
संग्राम (स्वप्निल स्वर से) इसके बाद मेरा हाथ पकडकर अचानक मेरी अँगुली

वर्मा के मुह से अँगुली निकालकर लिली के मुह के पास दिखाकर।

वर्मा देखें
लिली इस्स्।
सुव्रत देवी।
देवी छि।

संग्राम हँसता है।

सुव्रत प्लीज।

सग्राम मैं कांप उठा सिहर

सुव्रत प्लीज !

तभी बेबी सुव्रत से दूर हट जाती है। अत यह बेबी के पीछे पीछे जा हाथ पकड बेबी की अगुली चूसने लगता है। बेबी इस अस्वाभाविक घटना से देह का कपन न सहकर।

बेबी ओ ओोहो !

इसके बाद वह छटपटाती दाहिने कमरे मे जाती है।

वर्मा लिली !

लिली (खीज व्यक्त करती हुई) ना

लिली भी बेबी के ही रास्ते जाती है।

वर्मा सेंसेशन ?

सग्राम इसके बाद ?

वर्मा उनकी अँगुली

सग्राम हूँ।

सुव्रत दोनो एक-दूसरे की

सग्राम एक साथ नूतन अनुभूति

सुव्रत लकी !

वर्मा सुव्रत !

सुव्रत पति न हो लडकी जरूर सेक्सी

वर्मा विश्वास नही होता।

सग्राम सच।

सुव्रत कहा लकी

सग्राम ना।

सुव्रत इसके बाद क्या हुआ ?

सग्राम चला गया।

सुव्रत भीरु कावड

सग्राम उपाय न था।

सुव्रत कावड !

सग्राम मैं ऐक्टर।

बेबी आ जाती है।

बेबी कहानी पूरी हो गयी ?

सग्राम ना।

वर्मा यह कहानी रहने दो।

संग्राम रहने दो।

सुव्रत क्यो ?

संग्राम अच्छी नही लगती।

वर्मा (जाने को है पर दरवाजे पर रुककर) कुत्सित कहानी

संग्राम बंद कर दी।

सुव्रत शुरू क्यो की ?

संग्राम कहा, ट्रू स्टोरी

वर्मा ट्रू स्टोरी इण्टरेस्टिंग।

सुव्रत यह भी ट्रू स्टोरी इण्टरेस्टिंग।

(बेबी सुव्रत के पास आकर कठोर स्वर मे।)

बेबी सुव्रत !

सुव्रत (मानो नहीं सुनता) इण्टरेस्टि एक-दूसरे की अंगुली

सभी बकरी मिमियाती है। लिली आ जाती है।

लिली बकरी फिर

संग्राम पेट्ू !

वर्मा और कुछ रोटी डालने पर

चौकीदार आ जाता है। हाथ मे कुल्हाडी।

चौकीदार हुजूर, बकरी मिमियाती है

बेबी (क्षोभ व्यक्त करती-सी) हाँ तो

चौकीदार जरा कान लगाइये तो।

सब कान लगाते हैं। चिडिया चें चें करने लगी

दूर बन्दर खींस रहे हैं।

सुव्रत हाँ तो !

चौकीदार उनकी आवाज सुन बकरी खाती नहीं हुजूर डर से

लिली डर से ?

चौकीदार हुजूर, जानवर उतर आए जल्दी करें।

वर्मा लिली, बन्दूक

लिली बाएँ कमर मे जाती है। वर्मा सुव्रत की ओर

संकेत कर।

उठो !

सुव्रत हैवी अच्छा नही लगता।

वर्मा चलोगे नही ?

सुव्रत ऐक्टर ?

संग्राम पैर क्लान्त हैं थक गया।

सुव्रत मैं भी हैवी
वर्मा किन्तु
सुव्रत तो सब चलेंगे।
वर्मा सब
सुव्रत सब।
वर्मा चौकीदार सब के लिए जगह है ?
चौकीदार आपने तो कहा था, मचान पर तीन जने बैठेंगे
वर्मा तीन जने
सुव्रत चार नही हो सकेंगे ?
वर्मा छोटी जगह पर कैमोफ्लेज हुआ है।
संग्राम बच गया।

बन्दूक लेकर लिली आती है। वर्मा बन्दूक ले लेते हैं।

सुव्रत ना, मैं बच गया।
लिली (आग्रह से) क्या हुआ ?
सुव्रत मचान पर सिर्फ तीन जने बैठ सकेंगे।
वर्मा एक को रह जाना पड़ेगा।
संग्राम मैं थका हुआ हूँ। (सुव्रत की ओर) आप जाइये।

बकरी फिर मिमियाती है।

चौकीदार हुजूर !
वर्मा हाँ
बेबी खूब मजा कौन जाएगा ?
वर्मा शीघ्र
सुव्रत (अनिच्छा प्रकट कर) मैं
संग्राम सच, मैं थका हुआ हूँ।
सुव्रत अभिनय
संग्राम ना। क्लान्त।
बेबी स्टेल मेट !

वर्मा अचानक जेब से एक सिक्का निकालता है।

वर्मा टास।
सुव्रत टॉस् ?
वर्मा जिसका पड़े
संग्राम लक।
वर्मा सुव्रत ?
सुव्रत मेरा हेड।

सग्राम मेरा टेल ।

वर्मा टॉस करते हैं । सुव्रत, सग्राम और चौकीदार को छोड बाकी सब झुककर देखते हैं और एक साथ चिल्लाते हैं ।

वर्मा
वेबी } हेड
लिली

सुव्रत ओ !

वर्मा (सुव्रत की ओर देख) शीघ्र

सग्राम बच गया ।

सुव्रत (ईर्ष्या से) क्या ?

सग्राम बाघ

वर्मा (बन्दूक सुव्रत की ओर बढ़ाकर) जरूर बाघ ।

लिली बाघ नही, हरिण मारना ।

वेबी हरिण ?

लिली कल मैं मॉस पकाऊँगी ।

वर्मा टार्च

लिली ओ !

लिली टार्च लाने बाएं कमरे मे जाती है ।

सग्राम चौकीदार, तुम्हारी कोठरी

चौकीदार हुजूर, बाहर साकल लगा दी है ।

सग्राम अच्छा

चौकीदार घर बुहार देता हूँ कल की तरह खाट पर आप

सग्राम (जाने को है)

सुव्रत शिकार यदि न मिले ?

वर्मा फिर कल जायेंगे !

सग्राम (रुककर) कल मैं जाऊँगा।

सुव्रत मैं भी जा सकता हूँ ।

लिली टार्च लाकर वर्मा को देती है ।

वर्मा चौकीदार आगे चलो !

सग्राम गुडनाइट !

वेबी (शुभ कामना प्रकट करने की भगिमा मे) बाघ मारना ।

लिली हरिण

सग्राम गुडलक !

वर्मा } गुडलक ।
सुव्रत }

वर्मा, सुव्रत और चौकीदार पिछले दरवाजे से जाते हैं। कुछ समय चुप्पी छायी रहती है। सग्राम खिडकी के पास जाकर बाहर उन्हें जाते देख फिर अन्दर मुह फेरता है।

सग्राम किसी ने आपत्ति नही की।

देवी क्या ?

सग्राम मैं अकेला यहाँ रहा

देवी नैस्टी ?

कुछ क्षण चुपचाप।

लिली और कभी सुव्रत शिकार पर गये थे ?

देवी ना ।

लिली शिकार म बैठे रहना बहुत कष्टप्रद होता है।

सग्राम शिकार मिलने पर कष्ट भूल जाता है।

देवी सुव्रत दिन भर सोया था

लिली विश्राम करने के लिए यह अच्छी जगह है।

सग्राम अचानक बक्स पर से आलू प्याज काटने का चाकू उठाकर।

सग्राम चाकू छोड गये।

लिली चाकू बैल्ट मे है।

देवी यह सब्जी काटने का चाकू है।

लिली इसी चाकू से ये डालिया काटी है ?

देवी हाँ।

सग्राम अच्छी धार

सग्राम चाकू की धार देखने के लिए उस पर अगुली फिराता है।

देवी कट जायेगी।

सग्राम (रुककर) आहिस्ते से देखता हू

लिली वहाँ बन्दूक चलने पर शब्द यहा सुनायी देगा।

देवी मैं सो जाऊँगी।

सग्राम मैं भी।

देवी दिन भर घूम हो।

सग्राम गलत।

देवी मैं दिन-भर सोयी नही।

लिली मैं खूब सोयी हूँ।
बेबी आवाज होने पर मुझे उठाना।
संग्राम मुझे उठाने की जरूरत नही पड़ेगी।
बेबी यानी ?
संग्राम ज़रा-सी आवाज से ही मैं उठ जाता हूँ।
लिली वे पहुँच गये होंगे।
संग्राम ना।
बेबी कैसे जाना ?
संग्राम अनुमान
बेबी कहते थे अभिनय दिखाओगे
संग्राम सुविधा होने पर
लिली कैसा अभिनय ?
संग्राम एकाकी अभिनय मोनो एक्टिंग
लिली बाहर बैठना है ?
बेबी बाहर ?
लिली खुली हवा में।
संग्राम मैं सोने जाता हूँ।
लिली मैंने बेबी से कहा।
संग्राम बाहर न बैठ।
लिली क्यो ?
संग्राम क्यो ? निरापद नही (पिछले दरवाजे से जाने को उद्यत)।
बेबी ना निरापद नही।
संग्राम (दरवाजे के पास रुककर) अन्दर से किवाड बन्द कर दो।
लिली (बाएं कमरे को देखकर) उस कमरे के किवाड अन्दर से बन्द है।
संग्राम ये किवाड नही, ये किवाड

संग्राम पिछला दरवाजा खोलकर बाहर जाता है।
बेबी जाकर अन्दर से किवाड बन्द कर लेती है।
बेबी हलके-से प्रतिवाद के स्वर मे।

लिली अगर शिकार किये बिना लौट आये ?
बेबी आवाज़ देना।
लिली नीद लग जाने पर ?
बेबी ऊँची आवाज मे बुलाना।
लिली तुम दिन भर सोयी नही

बेबी तुम तो सोयी हो।
लिली मुझे भी नीद ग्रा सकती है।
बेबी (कर्कश स्वर मे) ना।
लिली ना ?
बेबी नीद आने पर सो जाना।
लिली मैं सो न सकूगी।
बेबी कह रही थी, नीद लग सकती है।
लिली कह रही थी, बाहर बैठकर गप्प मारेंगे।
बेबी मुझे अच्छा नही लगता।
लिली मुझे भी अच्छा नही लगता।
बेबी तुम्हे क्या हो गया है ?
लिली तुम्हे ?
बेबी जल्दी सोना मेरी आदत है
लिली वर्मा का कहना है कि मैं मोटी हो गयी हूँ
बेबी मोटी ?
लिली पतली नही हो सकती ?
बेबी हा।
लिली कैसे ?
बेबी (मजाक से) व्यायाम करने पर।
लिली इस उम्र मे ?
बेबी तो अभिनय करो।
लिली अभिनय ?
बेबी मोनो-ऐक्टिंग।
लिली मैं और अभिनय !
बेबी ऐक्टर से सीखो

बेबी दाहिने कमरे की ओर जाने को उद्यत।

लिली यानी ?
बेबी *मोनोऐक्टिंग, अभिनय, व्यायाम*

बेबी दाहिने कमरे मे जाकर लाइट बुझा देती हैं। इसके बाद दाहिने कमरे और मॅझले कमरे के किवाड बन्द हो जाते हैं। लिली अस्पष्ट भाव से कहती है।

लिली *व्यायाम अभिनय*

बाहर किवाडों पर हलकी दस्तक। लिली जाकर

किवाड खोलती है। सग्राम आता है।

लिली क्या।

सग्राम अभिनय

लिली अभिनय ?

सग्राम रिहसल करूँगा।

लिली यहा ?

सग्राम ना चौकीदार के कमरे म।

लिली रिहसल ?

सग्राम नीद लगने पर सो जाऊँगा।

सग्राम कमरे मे पडा चाकू उठाता है।

लिली चाकू।

सग्राम चाकू के लिए आया।

लिली बठो।

सग्राम (चाकू दिखाकर) रिहसल म जरूरत पडेगी।

सग्राम जाने को उद्यत।

लिली सुना।

सग्राम (अटककर) क्या ?

लिली वेनी सो गयी होगी

सग्राम मुझे नीद नही आयी।

लिली फालतू बात

सग्राम कौन सी बात फालतू ?

लिली चाकू

सग्राम चाकू की जरूरत (बिना कुछ कहे जाना ही चाहता है। पिछले किवाड के पास रुककर) अदर से किवाड

लिली ना।

सग्राम बाहर से लगा दूँ।

लिली ना।

सग्राम उढका देता हूँ।

सग्राम किवाड बद कर जाता है।

लिली ओ ।

इसके बाद लिली कसे भी तो एक आहत व्यथा से छटपटाती हुई खिडकी से होकर बाहर देखती है। कुछ क्षण बाद आर्यी ओर से अपना हैंड-बग लाकर आईना निकाल, साड़ी चेहरा और केश ठीक करती हुई-

ढाक कर लेती है और कमरे मे असहिष्णु भाव से चहलकदमी करती है। बाहर के किवाड खोल सुव्रत आ जाता है।

लिली तुम ?
सुव्रत अच्छा नही लगा।
लिली अकेले ?
सुव्रत चौकीदार छोड गया।
लिली बैठो।
सुव्रत ऐक्टर ?
लिली चौकीदार की कोठरी मे।
सुव्रत बबी ?

लिली दाहिनी ओर के किवाड के पास कान लगाकर जानने की चेष्टा करती है—बेबी के कमरे मे निस्तब्धता हुई या नहीं।

लिली सो गयी।
सुव्रत दिनभर वह सोयी न थी।
लिली तुम तो सोये हो।
सुव्रत तुम भी।
लिली हाँ।
सुव्रत गप्पें मारोगी ?
लिली गप्प मारना अच्छा लगेगा ?
सुव्रत हूँ।
लिली (पास आकर बठती है।) गप्प मारेंगे।
सुव्रत बोलो।
लिली कैसी कहानी ?
सुव्रत जो मन मे आती है।
लिली ना, तुम बोलो।
सुव्रत कैसी कहानी ?
लिली जो मन मे आती है।
सुव्रत मन मे कोई कहानी नही आती।
लिली ऐक्टर जिस कहानी की बात कह रहा था
सुव्रत डाक-बंगले मे आकर एक को देखा
लिली एक स्त्री को

सुव्रत जो उनकी अँगुली लेकर
लिली चूसने लगी।
सुव्रत हूँ।
लिली वेवी ने तुम्हारी अँगुली चूसी नही ?
सुव्रत ना।
लिली क्यो ?
सुव्रत वेवी अहकारी है।
लिली सुव्रत
सुव्रत उसकी आँखो म मैं बुकवम हूँ।
लिली तुम दशन के अध्यापक।
सुव्रत ना बुकवम।
लिली वर्मा क्या है, जानत हो ?
सुव्रत क्या ?
लिली ब्रूट।
सुव्रत ब्रूट ?
लिली उदासीन उनके लिए शिकार बडा है।
सुव्रत वर्मा शिकारी।
लिली बाघ का शिकार शिकार नही।
सुव्रत ना।
लिली वर्मा कह रहे थे यहाँ आकर सब भूल जायेंगे।
सुव्रत मैं सब भूल गया हूँ।
लिली वे नही भूल सके हैं।
सुव्रत क्या ?
लिली हरदम घर छोड निकल जाने की आदत।
सुव्रत वेवी भी नही भूल सकी
लिली क्या ?
सुव्रत मैं स्टडी स लौटता तब वह सोयी पडी रहती।
लिली वर्मा कहत हैं मैं मोटी हो गयी हूँ
सुव्रत वेवी कहती है मैं बुकवम हूँ
लिली बुकवम की अँगुली अपवित्र नही।
सुव्रत ना।
लिली उसने तुम्हारी अँगुली चूसी नही
सुव्रत ना।
लिली अगुली चूसने पर देह काँप उठती है।

सुव्रत लिली !
लिली (लिली सुव्रत का हाथ उठाकर अगुली पकडती है।) मैं
सुव्रत (प्रतिवाद के स्वर मे) लिली
लिली (एक हाथ सुव्रत की आँखो पर रखकर) आख मूदो

इसके बाद लिली दूसरे हाथ से सुव्रत की अँगुली चूसने लगती है।

सुव्रत लिली !
लिली (सुव्रत की आख पर से हाथ हटाकर) सब कुछ भूल जायें।
सुव्रत उस कमरे म बेबी
लिली तुमने कहा था, वह कावड ।
सुव्रत कौन ?
लिली ऐक्टर की कहानी का नायक जो चला गया।
सुव्रत मैं कावड ?
लिली बुकवम
सुव्रत ना।

लिली पुन सुव्रत की अँगुली लेकर चूसते जाते समय अधीर होकर

लिली सुव्रत
सुव्रत (दोनो हाथो से लिली का हाथ खींचकर) लिली

इसके बाद दोनो एक-दूसरे का हाथ छोड दूर हो जाते हैं। कुछ क्षण दोनो चुपचाप।

सुव्रत वर्मा ने कभी तुम पर सन्देह किया है ?
लिली ना।
सुव्रत वर्मा आदर्श पति है ।
लिली जीवन के लिए खाली आदर्श नही, और कुछ भी चाहिए
सुव्रत क्या ?
लिली साहस डेयरिंग
सुव्रत उसमे खतरा है।
लिली खतरे मे ही मजा है।
सुव्रत मजा ?
लिली नही ? (प्यासी आखों से सुव्रत को देख) सुव्रत

तभी बाहर बकरी मिमियाने लगती है। सुव्रत भयभीत स्वर से।

सुव्रत बकरी इतनी जोर से

लिली   कावड   ।

सुव्रत   ना।

लिली   (आवेश के स्वर मे) जाओ, सो जाओ

सुव्रत दाहिने कमरे की ओर जाता है। बायीं ओर का अपना सोने का कमरा दिखाकर ।

सुव्रत   इस ओर के कमरे म ।

सुव्रत रुक जाता है। लिली हँसते हुए पास आकर धीमी आवाज मे ।

लिली   खुली खिडकी   बाहर जा सकते हो

सुव्रत का इतस्तत भाव समाप्त नहीं हुआ था लिली और पास सटकर कहती है।

कावड

सुव्रत कुछ क्षण लिली को चुपचाप देखते ही खडा रहता है।

सुव्रत   ना

फिर सुव्रत बाए कमरे मे जाकर अँधेरा कर देता है। पीछे-पीछे लिली उस कमरे मे जाकर किवाड बन्द कर लेती है। तुरन्त बेबी अपने कमरे के किवाड खोल मँझले कमरे मे आ जाती है। बकरी और ऊँची आवाज मे मिमियाती है। बेबी लिली के कमरे पर थाप देती है। पिछले किवाड खोल सग्राम आ जाता है।

सग्राम   बकरी को खोल दिया

बेबी   (वसे ही किवाड थपथपाकर) लिली   ।

सग्राम   कोठरी मे बहुत आवाज की

बेबी   लिली   लिली   ।

सग्राम   और आवाज नही करेगी

बेबी   (अनसुनी करते हुए) धो   ।

सग्राम   सो गयी है।

बेबी   (उत्यक्त स्वर मे) जाओ तुम चले जाओ   ।

सग्राम   मैं ?

बेबी   (किवाडों पर अवश हो झुक जाती है।) इस

सग्राम   क्या हुआ ?

बेबी   ना।

संग्राम छिपा मत ।

देवी तुम जानते हो ?

संग्राम हूँ ।

देवी (अस्पष्ट स्वर में) संग्राम !

संग्राम (अस्पष्ट स्वर में) ऐक्टर !

देवी (और अधिक उत्यक्त आवाज में) ना ना

संग्राम चला जाता हूँ

देवी जाओ

संग्राम सिर झुकाकर पिछले दरवाजे से चला जाता है। देवी फिर जोर से किवाडों पर थाप देती है।

देवी लिली लिली !

लिली जोर से किवाड धकेलती है। किवाड खुलता है। लिली नींद से आँखें मलती हुई जैसा अभिनय कर दरवाजे के पास खडी हो पूछती है।

लिली क्या ?

देवी (कुछ न कह त्रस्त स्वर में) ना ना

लिली (जम्हाई लेकर) नींद लग गयी थी

देवी (निर्बोध के जैसे) हां ।

लिली अन्दर आओगी ? लाइट करूँ ?

देवी ना

लिली इतनी जोर से किवाड पीट रही थी ?

देवी बकरी

लिली बकरी मिमियाने से डरती हो ?

देवी (जड के जैसे होकर) ना ।

लिली जाओ, सो जाओ ।

देवी लिली !

लिली मुझे नींद लग रही है ।

देवी हूँ

लिली किवाड बन्द करती हूँ ।

देवी (वैसे ही निश्चल बनी) कर लो ।

लिली किवाड बन्द कर लेती है। देवी प्रपन्न होकर कमरे की एक कुर्सी पर बैठ जाती है। बाहर वाले दरवाजे से होकर सुव्रत आता है। चेहरा और कपडे-लत्ते असंयत। देवी सुव्रत को कुछ क्षण देखती है, किन्तु

कहती कुछ नहीं।

सुव्रत बेबी!

बेबी क्या ?

सुव्रत अच्छा न लगा, चला आया।

बेबी हू!

सुव्रत बकरी बाहर घूम रही है।

बेबी सोम्रोगे, चलो।

सुव्रत (कफियत के स्वर मे) चौकीदार छोड गया। (बेबी चुप) वर्मा ने कहा बिना कोई शिकार किये वे लौटेंगे नही

बेबी फिर भी चुपचाप। सुव्रत बेबी के पास जाकर

बात क्यो नही करती ?

बेबी क्या ?

सुव्रत ग्रब तक सोयी नही।

बेबी सोयी थी।

सुव्रत मुझे बुकवम क्या कहा ?

बेबी सुव्रत।

सुव्रत मैं बुकवम ?

बेबी सुव्रत!

सुव्रत कावड ?

बेबी ग्राख उठाकर सुव्रत की ग्रोर देखती है। कुछ उत्तर नहीं।

बोलो कावड

बेबी कावड

सुव्रत ना।

बेबी चलो सो जाग्रो।

सुव्रत ना।

बेबी ग्रच्छा नही लगता ?

सुव्रत ग्रच्छा लगता है।

बेबी (ग्रधीर ग्रावाज से) सुव्रत

सुव्रत तुमने मेरी ग्रगुली क्यो नही चूसी ?

बेबी इस्स

सुव्रत तुम्हारी देह सिहर उठी ?

बेबी (कष्ट से छटपटाती सी) सुव्रत

सुव्रत मैं नही सोऊँगा।
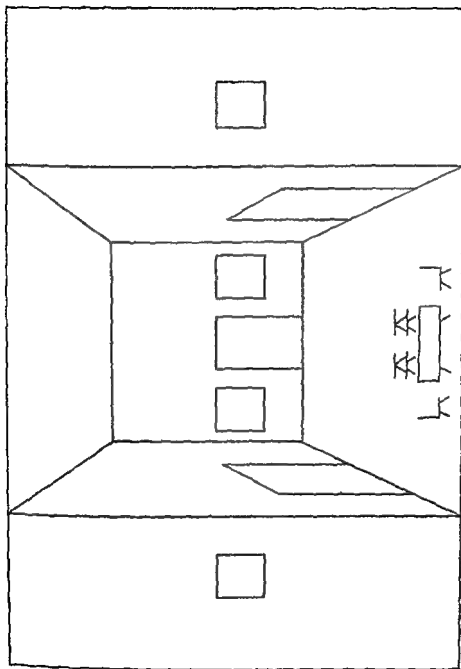
बेबी   रात अधिक हो गयी ।
सुव्रत   ऐक्टर सोया नहीं ।
बेबी   सुव्रत ।
सुव्रत   आते समय खिडकी के रास्ते देखा वह चाकू तेज कर रहा है ।
बेबी   फालतू बातें न करो ।
सुव्रत   चाकू क्यो तेज कर रहा था ?
बेबी   चलो सोओगे ।
सुव्रत   तुम ?
बेबी   ना ।
सुव्रत   क्या नहीं ?
बेबी   सुव्रत !

सुव्रत बेबी के निकट जाकर उसके कधे पर हाथ रखकर ।

सुव्रत   मैं कावर्ड तुम ?
बेबी   प्लीज
सुव्रत   अहकारी ।
बेबी   सुव्रत !
सुव्रत   मुझसे घृणा करती हो
बेबी   सुव्रत !

बेबी सुव्रत को शात करने के लिए उसके आगे खडी होती है ।

सुव्रत   छोडो अच्छा नहीं लगता । सोऊँगा ।

सुव्रत दाहिने कमरे मे जाकर किवाड उढका लेता है ।

बेबी   ओह !

बेबी असहाय भाव से एक कुर्सी मे धँस जाती है ।

तृतीय अक

तीसरे दिन सुबह। सग्राम दीवार पर लगी डालियाँ लाकर टेबुल पर ढेर करता है। बाएँ कमरे से किवाड़ खोलकर लिली आ जाती है। लिली की पोशाक ग्रस्त-व्यस्त है। बाल खुले हैं। देखने से लगता है मानो रात-भर सोयी नहीं।

लिली ऐक्टर !

सग्राम बिना बोले डालियों मे लगा है।

बेबी ने लगायी थी

सग्राम कल रात लगायी थी, सूख गयी।

लिली एक छोटी डाल उठाकर देखती है।

सब नही, कई।

लिली किन्तु

सग्राम धूप होने पर सब सूख जायेंगी।

लिली (बेबी के कमरे की ओर सकेत कर) दिन चढकर इतना हो आया, उठी नही ?

सग्राम पता नही (लिली मुड़कर जाने को उद्यत) सुनो (लिली लौट आती है।) बैठो (लिली बैठती है।) उस ओर देख आऊँ ?

लिली ना।

कुछ क्षण दोनों चुप रहते हैं।

सग्राम सुबह से चाय नही पी ?

लिली ना।

सग्राम मैंने भी नही पी। (लिली उठती है।) रहने दो।

लिली मैं बना देती हूँ।

सग्राम उन्हे उठ जाने दो।

लिली वे उठने पर पीयेंगे।

सग्राम वर्मा लौट आये ?

लिली लौटने का कोई ठिकाना नहीं।

सग्राम विना शिकार किये नही लौटेंगे ?
लिली ना।
सग्राम क्षोव !
लिली सदा।

सग्राम डालियाँ लेकर बाहर जाता है। लिली विस्मय से खडी है। कुछ समय बाद सग्राम उन्हें फेंककर अन्दर आता है।

सग्राम बकरी खायेगी।
लिली बकरी ?
सग्राम सूखे पत्ते।
लिली समझी नही।
सग्राम कल रात म खोल दिया था।
लिली जानती हूँ।
सग्राम कैसे जाना ?
लिली रात म मिमियायी नही।
सग्राम कसे जाना ?
लिली सुना नही।
सग्राम सोयी नही ?
लिली ना।
सग्राम मैं भी रात म सोया नही।
लिली क्यो ?
सग्राम वर्षा की प्रतीक्षा म।
लिली झूठ।
सग्राम (हँसकर) शिकार कर लौटते तो उनके साथ बैठकर हरिण का मांस काटते।
लिली फालतू बात।
सग्राम तुम पकाती।
लिली हिस्स।
सग्राम तुम क्यो नही सोयी ?
लिली नीद नही आयी।
सग्राम झूठ।
लिली ना।
सग्राम सुव्रत कल लौट आया (लिली मुह उठाकर देखती है।) शिकार से ।

लिली क्या हुआ ?
सग्राम अच्छा नही लगा।
लिली यानी ?
सग्राम रात मे खूब सोये होगे।
लिली सोये होगे।
सग्राम सोना अच्छा लगता है।
लिली मुझे अच्छा नही लगता।
सग्राम बाहर घूम आने पर अच्छा लगेगा।
लिली बाहर ?
सग्राम जितनी दूर जा सकें
लिली ना।
सग्राम झरने के किनारे जाकर बैठना।
लिली ऐक्टर !
सग्राम तुम मेरी अँगुली लेकर
लिली ना।
सग्राम सुव्रत कावड !
लिली तुम भी।
सग्राम ना।
लिली हा।
सग्राम टेस्ट
लिली किया है।
सग्राम उस दिन की बात कह रही हो ?
लिली कावड !
सग्राम उस दिन साहस नही कर सका ?
लिली आज ?
सग्राम आज सकूगा।
लिली सकोगे ?
सग्राम हाँ।
लिली ना।
सग्राम उस दिन अपने ऊपर विश्वास न था।
लिली आज ?
सग्राम हाँ।
लिली क्यो यहाँ आये थे ?
सग्राम तुम क्यो आयी थी ! (लिली उत्तर नहीं देती।) जानता हूँ

कुछ समय दोनों चुपचाप ।

लिली क्या जानती हो ?
सग्राम वर्मा के साथ टूर म
लिली हाँ ।
सग्राम वर्मा उदासीन
लिली तुम क्यो आये थे ?
सग्राम लौट जाने के लिए ।
लिली छिपाते हो ?
सग्राम आज लौट जाने के लिए नही आया । (लिली विस्मय से देखती है । सग्राम हँसकर) दुबल लौट जाता है ।
लिली हाँ ।
सग्राम अनुभव ।
लिली कैसा अनुभव ?
सग्राम तुम कावड ।
लिली ना ।
सग्राम मैं कॉलेज म पढता था
लिली कालेज मे ?
सग्राम धन न था
लिली आज ?
सग्राम प्रचुर । सोने की खान खोजता चल रहा हूँ
लिली मुझे कावड कैसे कहा ?
सग्राम साहस मुह की चीज नही ।
लिली किसके मुह की चीज ?
सग्राम साहस नही होता ?
लिली होता है ।
सग्राम चलो ।
लिली प्रतीक्षा करो ।

लिली बाए कमरे मे जाती है ।

सग्राम वर्मा यदि लौट आयें ?
लिली (रुककर) कौन है कावड ।
सग्राम मैं नही डरता ।
लिली और मैं ?
सग्राम तुम जाना ।
लिली ना नही ।

सग्राम   झरने के किनारे जाकर बैठना।
लिली   ना।
सग्राम   ना?
लिली   चले चलें।
सग्राम   चले चलें?
लिली   और लौटे नही।
सग्राम   ना। और लौटे नही।
लिली   कहूँ?
सग्राम   क्या?

लिली सग्राम के हाथ पकडकर।

लिली   तुम कावड नही।
सग्राम   (हँसकर) ना, सुव्रत जैसा कावड नही।
लिली   (हाथ छोडकर) ना।

लिली अदर जाने को उद्यत।

सग्राम   अन्दर क्यो?
लिली   इसी वेश मे?
सग्राम   ओ!
लिली   अधिक समय नही लगेगा।
सग्राम   शीघ्र
लिली   सिर कपडे-लत्ते।
सग्राम   मैं प्रतीक्षा करता हूँ।

लिली सम्मतिसूचक सिर हिलाकर बाए कमरे मे जाकर किवाड बन्द कर लेती है। सग्राम बची-खुची डालियाँ उठाता है। दाहिनी ओर के किवाड खोल कर आ जाती है बेबी।

बेबी   सग्राम!
सग्राम   ऐक्टर कहो।

बेबी अवश हो बठ जाती है।

सग्राम   ठीक नही लगता?

बेबी कुछ कहे बिना सिर उठाकर सग्राम को देखती है।

कल रात मैं सोया नही।
बेबी   क्यो?
सग्राम   रिहसल कर रहा था।

बेबी रिहर्सल कर रहे थे ?
सग्राम मोनोएक्टिंग ।
बेबी सग्राम !
सग्राम बकरी एक पालतू पशु पालतू पशु बकरी एक पशु बकरी एक पालतू एक पशु पालतू बकरी
बेबी आ !
सग्राम क्या ?
बेबी अच्छा नही लगता ।
सग्राम अभिनय करो ।
बेबी अभिनय ?
सग्राम शेक्सपीयर
बेबी ना ।
सग्राम रोमियो जूलियट
बेबी सग्राम !
सग्राम काल मी बट लव एण्ड आइ विल बी न्यू बेप्टाइज्ड
बेबी रहने दो ।
सग्राम कालेज मे साथ अभिनय किया था ।
बेबी हाँ ।
सग्राम इसके बाद यहाँ साथ आये थे ।
बेबी हा ।
सग्राम आज फिर यहा आया हूँ ।
बेबी सग्राम !
सग्राम (बेबी के चेहरे की ओर देख दबे होठों से हँसकर) फिर आज
बेबी (उद्धत स्वर मे) आज क्यो आये हो ?
सग्राम सोने की खान की खोज मे
बेबी ना ।
सग्राम बडा आदमी हो गया हूँ ।
बेबी झूठ ।
सग्राम खूब झूठ ।
बेबी क्यो आये हो ?
सग्राम तुमसे मुलाकात करने ।
बेबी सग्राम!
सग्राम कल रात मुझे यहा से चले जाने को क्यो कहा ?
बेबी सोने के लिए ।

सग्राम चौकीदार के कमरे में ?
बेबी वहीं सोते हो ।
सग्राम रात भर नहीं सोया ।
बेबी क्या कर रहे थे ।
सग्राम रिहर्सल कर रहा था ।
बेबी हूँ !
सग्राम तुम ?
बेबी क्या ?
सग्राम तुम सोयी हो ?
बेबी क्यों पूछते हो ?
सग्राम रात में मुकुल लौट आया था ?
बेबी हाँ ।
सग्राम मुझे बुलाया नहीं ?
बेबी किसलिए बुलाती ?
सग्राम बैठकर गप्पें मारते ।
बेबी सग्राम !
सग्राम बकरी का खून किया था ।
बेबी हाँ ।
सग्राम और मिमिया नहीं रही थी ।
बेबी ना ।
सग्राम बैठकर क्या गप्पें मारते ?
बेबी क्या ?
सग्राम पिछले दिनों की बातें ।
बेबी ना ।
सग्राम उस दिन भी लिली यहाँ थी ।
बेबी हाँ ।
सग्राम तुमने देखा
बेबी रहने दो
सग्राम चली गई ।
बेबी और क्या करती ?
सग्राम आह बेचारी लिली !
लिली सग्राम !
सग्राम उस दिन उन्हें जानता नहीं था ।
बेबी आज ?

संग्राम जानता हूँ। वर्मा साहब की पत्नी। (दोनों कुछ क्षण चुपचाप) पूछूं ?
बेबी क्या ?
संग्राम सच कहोगी ?
बेबी क्या ?
संग्राम सुव्रत प्योर ?
बेबी संग्राम !
संग्राम छिपाम्रो मत !
बेबी (असहाय भाव से) कुछ छिपाया नही।
संग्राम फिर वही लिली
बेबी हूँ।
संग्राम और सुव्रत ?
बेबी हूँ।
संग्राम उस दिन मैं प्योर न था (बेबी व्याकुलता से संग्राम की ओर देखती है।) आज सुव्रत (बेबी उठकर जाने लगती है कि संग्राम आगे आकर खड़ा हो जाता है।) प्योर ?
बेबी ना।
संग्राम उस दिन मुझे और लिली को एकत्र देख बगला छोड़कर चली गई थी।
बेबी पूछते हो, आज क्या करूँगी ?
संग्राम हूं।
बेबी निमम !
संग्राम निमम होता तो फिर नही आता।
बेबी सुनोगे क्या करूँगी ?
संग्राम क्या ?
बेबी आत्महत्या।
संग्राम ना।
बेबी (असहाय भाव से) और क्या करूँगी ?
संग्राम कहता हूँ।

संग्राम जेब मे हाथ डालकर चाकू निकालता है और बेबी की ओर बढ़ाता है।

बेबी (न समझकर) क्या ?
संग्राम हत्या (बेबी कुछ न समझ हाथ बढ़ा चाकू थाम लेती है) सुव्रत की (तुरन्त चाकू हाथ से फिसल जाता है।)

बेबी सग्राम !

सग्राम अपवित्र ट्रैटर ?

बेबी (भय से) ना, ना।

सग्राम (चाकू उठाकर) तेज धार है। प्याज काटे थे डालिया काटी थी

बेबी (असहाय भाव से) ओह !

सग्राम चलो, यहाँ से चले चलें।

बेबी कहाँ ?

सग्राम झरने के किनारे बैठेंगे दूर चलेंगे

बेबी सग्राम !

सग्राम बहुत दिन प्रतीक्षा की है।

बेबी (सम्मोहित-सी होकर) बहुत दिन !

सग्राम (नाटकीय ढग से) कॉल मी बट लव एण्ड आई विल बी न्यू बेप्टाइज्ड।

बेबी सग्राम !

सग्राम बेबी !

बेबी कितनी दूर ?

सग्राम बहुत दूर।

बेबी बहुत दूर बहुत दूर !

इसके बाद बेबी चुपचाप अपने कमरे मे जाती है। सग्राम चाकू बद कर जेब मे रख लिली के किवाडो पर हलकी थाप देता है।

सग्राम लिली लिली !

सुव्रत आधी दाढ़ी बनाये हुए ही दाहिने कमरे से आ जाता है। हाथ मे रेजर, कन्धे पर तौलिया आदि।

सुव्रत उठे नही ?

सग्राम उठ गया।

सुव्रत किवाड बन्द कसे हैं ?

सग्राम टॉयलेट

सुव्रत ओह !

सुव्रत बैठकर दाढ़ी बनाता है। सग्राम पुन नाटकीय भाव से चाकू खोल सुव्रत के पास जा खडा होता है।

सग्राम टू बी ग्रार नॉट टु बी, दैट इज द क्वेश्चन
सुव्रत यानी ?
सग्राम ग्रभिनय।
सुव्रत ग्रो !
सग्राम क्या करोगे ?
सुव्रत क्या ?
सग्राम लिली मेकग्रप कर रही है।
सुव्रत मेकग्रप ?
सग्राम साडी बदल रही होगी।
सुव्रत क्यो ?
सग्राम देह पर पाउडर पफ कर रही होगी।
सुव्रत ग्राह्
सग्राम कल रात ग्रच्छा नही लगा ?
सुव्रत ना।
सग्राम हैवी डिनर।
सुव्रत हूँ।
सग्राम (पुन नाटकीय भाव से) टु बी ग्रॉर नॉट टु बी दैट इज द क्वेश्चन
सुव्रत बार-बार वही बात।
सग्राम ग्रभिनय।
सुव्रत कल भी ऐसे ही
सग्राम चौकीदार की कोठरी मे ?
सुव्रत रात म।
सग्राम रात म लौटते समय मुझे कैसे
सुव्रत (हँसकर) हू।
सग्राम रिहर्सल कर रहा था।
सुव्रत चाकू लेकर।
सग्राम मोनोएक्टिंग।
सुव्रत टु बी ग्रॉर नॉट टु बी
सग्राम हूँ।
सुव्रत (दाढी बनाना समाप्त हो चुका। सुव्रत उठकर लिली के दरवाजे के पास जाकर) लिली !
सग्राम खत्म नही हुग्रा होगा।
सुव्रत क्या ?

सग्राम कहा मेकग्रप ।
सुव्रत (अपनी जगह लौट आकर) ओह !
सग्राम आज अच्छा लगता है ?
सुव्रत आज ?
सग्राम हा ।
सुव्रत हू ।
सग्राम ना ।
सुव्रत कैसे जाना ?
सग्राम अनुमान ।
सुव्रत (मजाक से) अनुमान ?
सग्राम क्या करोगे ?
सुव्रत क्या ?
सग्राम लिली आ जाएगी ।
सुव्रत कैसे जाना ?
सग्राम मेकग्रप घर किवाड खोलेगी ।
सुव्रत क्या करूँगा समझते हो ?
सग्राम कुछ नही सोच पाता ।
सुव्रत (हँसी मे) सुदर
सग्राम सैक्सी
सुव्रत ओह
सग्राम (चाकू बढ़ाकर) चाकू ?
सुव्रत चाकू !
सग्राम टु बी ओर नॉट टू बी
सुव्रत हैमलेट ।
सग्राम हैमलेट ?
सुव्रत हू ।

सग्राम के हाथ से सुव्रत चाकू ले लेता है ।

सग्राम वर्मा लौटता होगा ।
सुव्रत लौटने दो ।
सग्राम हाथ मे बदूक होगी
सुव्रत (दृढ़ स्वर से) होने दो
सग्राम चमत्कार !
सुव्रत क्या ?
सग्राम अभिनय ।

सुव्रत ना।
सग्राम देबी प्रतिवाद करेगी
सुव्रत हिम्स ?
सग्राम लिली पीछे हटेगी।
सुव्रत ना।
सग्राम वर्मा प्रतिरोध करेगा।
सुव्रत ना।
सग्राम असभव नही।
सुव्रत हाथ म चाकू है।
सग्राम मर्डर ?
सुव्रत हा।
सग्राम (चौंककर) लिली के लिए ?
सुव्रत और क्या करूँगा ?
सग्राम वर्मा स्पोर्ट समैन।
सुव्रत मैं ?
सग्राम (हसते हुए) अध्यापक
सुव्रत ना स्पोर्ट्‌समैन
सग्राम माम को जानते हो ?
सुव्रत माम ?
सग्राम सामरसेट मॉम।
सुव्रत हू।
सग्राम रेन ?
सुव्रत पढ़ा है।
सग्राम डेविडसन रेन का नायक ?
सुव्रत आत्महत्या !
सग्राम डेविडसन की तरह गला काटकर आत्महत्या
सुव्रत ना।
सग्राम दुबल आत्महत्या करता है।
सुव्रत मैं वर्मा से दुबल नही हूँ।
सग्राम (अच्छी तरह पर से सिर तक देखकर) ना
सुव्रत तो फिर आत्महत्या किसलिए ?
सग्राम दूसरो से।
सुव्रत किस से ?
सग्राम जो अधिक सबल है।

सुव्रत कौन ?
सग्राम जिसके साथ लिली जाकर झरने के किनारे बैठेगी
सुव्रत किसके साथ ?
सग्राम (मागने का अभिनय कर) चाकू
सुव्रत (धार की जाच करता है) ना।
सग्राम हाथ कट जाएगा।
सुव्रत कटे।
सग्राम ना।

सग्राम सुव्रत के हाथ से चाकू ले लेता है।

सुव्रत किसके साथ ?
सग्राम किसके साथ अनुमान ?

सभी बेबी दाहिने कमरे से आती है।

सुव्रत बेबी !
सग्राम (बाहर जाता हुआ) आती हूँ।
बेबी चाय ?
सुव्रत ऐक्टर (प्रतीक्षा का सकेत देकर सग्राम बाहर जाता है।) बेबी !
बेबी क्या ?
सुव्रत बैठो (बेबी चुपचाप बैठती है। सुव्रत बेबी के पास जाकर) मुझसे बात नही करती
बेबी करती हूँ।
सुव्रत कल रात नही की
बेबी की है।
सुव्रत बिस्तर मे जाकर सो गई
बेबी और क्या करती ?
सुव्रत बैठकर गप्पें मारते।
बेबी लिली थी
सुव्रत तुम भी थी
बेबी अच्छा नही लग रहा था।
सुव्रत मुझे बुक्वम क्यो कहती हो ?
बेबी अब से नही कहूँगी।
सुव्रत बेबी (कुछ समय चुप्पी छायी रहती है) कुछ बोलो ना
बेबी (दुख का अनुभव कर) क्या बोलूं ?

फिर कुछ क्षण चुप्पी। फिर अचानक उठकर।

मैं लौट जाती हूँ।

सुव्रत क्यो ?

बेबी पिकनिक समाप्त हो गयी है।

बेबी दाहिने कमरे मे जाती है।

सुव्रत सुनो !

बेबी (रुककर) क्या ?

सुव्रत ऐक्टर कौन ?

बेबी गेस्ट।

सुव्रत सच वह सोना खोजता है ?

बेबी कह रहा था।

सुव्रत पागल !

बेबी तुम भी

सुव्रत मैं पागल नही ।

बेबी अच्छे

सुव्रत तुम चली क्यो जाओगी ?

बेबी और क्या करूँगी ?

सुव्रत मैं भी चला जाऊँगा।

बेबी क्यो ?

सुव्रत बाहर झरना है

बेबी झरने के किनारे बैठोगे ?

सुव्रत हाँ।

बेबी चमत्कार !

सुव्रत तुम ?

बेबी ना।

सुव्रत ना ?

बेबी लिली

सुव्रत बेबी !

बेबी कल रात

सुव्रत (चौंककर) क्या ?

बेबी तुम उस कमरे मे

सुव्रत बेबी !

बेबी छिपाओ मत।

सुव्रत मैं नही।

बेबी हाँ।

सुव्रत ना, ऐक्टर।
देवी ना, तुम।
सुव्रत नींद आई सोने लौट आया।
देवी (निकल जाने को उद्यत) रहने दो।
सुव्रत देवी!
देवी मैं कपड़े वगैरह बाँध रही हूँ
सुव्रत चली जाओगी?
देवी कहा तो।
सुव्रत (असहाय स्वर से)
देवी बुला दूँ?
सुव्रत किसे?
देवी बैठकर गप्पे मारना।
सुव्रत देवी!
देवी झरने के किनारे नहीं जाओगे?
सुव्रत (कठोर स्वर में) किसे बुलाओगी?
देवी लिली
सुव्रत देवी!
देवी वहाँ लिली

बायाँ दरवाजा खोल लिली आती है। उसने अस्वाभाविक मेकअप किया है। साड़ी बदल ली है। सिर अच्छी तरह सजाया-सवारा है।

सुव्रत (लिली को देख) लिली!
देवी (चेहरे पर हाथ फिराकर) हुस्न!
लिली (बग से आईना निकाल चेहरा देखते हुए) पाउडर कुछ अधिक हो गया?

रूमाल से चेहरा झाड़ती है।

देवी ना।
लिली सुबह से किसी ने चाय नहीं पी।
सुव्रत वर्मा नहीं लौटे
लिली शिकार पर जाने से लौटने का ठिकाना नहीं।
देवी ना।
लिली यह साड़ी पहनकर मैं मोटी दिखने लगती हूँ?
सुव्रत लिली!
लिली खूब पतली साड़ी

सुव्रत हां ।
लिली और क्या करने से पतली दिखूंगी ?
वेवी सुबह घूमने से ।
लिली घूमने निकली हूँ ।
वेवी झरने के किनारे ?
लिली तुम चल रही हो ?
वेवी ना ।
लिली तुम ?
सुव्रत मैं ।
लिली ना ।
सुव्रत लिली !
लिली रहने दो (ऊँचे स्वर मे) ऐक्टर
सुव्रत ऐक्टर !

बाहर से सग्राम आता है ।

सग्राम टु वी ऑर नॉट टु वी दैट इज द क्वेश्चन
सुव्रत ऐक्टर !
सग्राम टु बी ऑर नॉट टु बी
लिली मैं तयार हूँ ।
सग्राम (सुव्रत से) आओ ।
सुव्रत कहां ?
सग्राम झरने के किनारे ।
वेवी सुव्रत !
सुव्रत ना ।
सग्राम (सुव्रत से) हिपोक्रेट !
सुव्रत ऐक्टर !
सग्राम बुक्वम !
सुव्रत लिली !
सग्राम कावर्ड !
सुव्रत ओह !
सग्राम (हसते हुए) भाषा नही मिल रही ?
सुव्रत ना ना
सग्राम दुर्बल को भाषा नही मिलती ।
सुव्रत ना मैं दुर्बल नही हू ।
सग्राम शक्तिशाली की अनेक भाषाए हैं ।

सुव्रत (उठकर) स्वयं शक्तिशाली ?
संग्राम प्रमाणित है ।
सुव्रत (असहाय भाव से) बेबी
बेबी मुझे अच्छा नही लगता ।
सुव्रत (और अधिक असहाय भाव से) लिली
लिली (संग्राम से) चलो
बेबी ऐक्टर
संग्राम अभिनय प्योर !
सुव्रत प्योर ?
संग्राम (बेबी से) नही ?
बेबी मैं ऐक्टर नही हू ।
संग्राम सब ऐक्टर है ।
बेबी सब ?

बेबी खिडकी की ओर जाती है ।

लिली चलो
सुव्रत (आगे जाकर रुकता है ।) ना ।
लिली (हटने का सकेत करते हुए) सुव्रत !
सुव्रत ना ।
लिली कावड !
सुव्रत कावड ?
संग्राम कावड !

बेबी खिडकी की रेलिंग मे मु ह देकर बाहर देखती है ।

बेबी (जोर से) चौकीदार !
लिली चौकीदार ?

लिली भी खिडकी के पास जाकर बाहर देखती है ।

सुव्रत चौकीदार आ रहा है ?
बेबी हा ?
सुव्रत वर्मा ?
लिली ना ।

बाहर से चौकीदार आ जाता है ।

चौकीदार जी, मेरी बकरी
संग्राम बकरी एक घरेलू जानवर घरेलू जानवर एक बकरी एक बकरी घरेलू जानवर जानवर एक घरेलू बकरी

सुव्रत ऐक्टर !

संग्राम (हसते हुए) बकरी ?

चौकीदार जी बकरी तो कहीं दिखती ही नहीं कभी उसे बिना कुछ खिलाए खूँटे से खोलता नहीं डाक-बँगले में जो भी वाघ भया आता है जो रात में उतर जाता है उसे खिलाकर खोल देता हूँ डाक-बंगले के चारों ओर गोता आया मेरी बकरी

संग्राम वहीं डाली पत्ते वगैरह चर रही होगी।

चौकीदार बाहर तो सूखे पत्तों का ढेर पड़ा है डाकबंगले के नीचे झाड़ियाँ हैं वहाँ तो कुछ नहीं।

सुव्रत नहीं ? तो चौकीदार की बकरी !

चौकीदार जी, मेरी बकरी सब कुछ आप तो चले जायेंगे फिर कितने दिन पर कोई आयेगा उनकी सेवा में समय काटने की बात कैसे खुल गयी ?

संग्राम खुली नहीं।

चौकीदार जी।

संग्राम मैंने खोल दिया है।

चौकीदार आपने खोला! रात में मिमियायी मुझे खोजा ?

चौकीदार जाने को उद्यत।

सुव्रत सुनो !

चौकीदार जंगल में कहीं निकल गयी खुद खाने बिना

सुव्रत यमा साहब ?

चौकीदार जी, नहीं आये साहब ?

देवी याना ?

चौकीदार जी अब हो जायगा ये दो आँखें साहब ने फायर किया

संग्राम बाघ जरूर होगा।

चौकीदार इसके बाद जन्तु जंगल के अन्दर घुस गया। साहब बंदूक लेकर उसके पीछे पीछे गये। मैंने सोचा हुजूर की गोली नहीं लगी सुबह हो गयी साहब लौट आये होंगे कुछ समय प्रतीक्षा कर मैं चला आया बकरी की बात याद आ गयी

देवी तो वर्मा !

संग्राम आदमखोर बाघ जरूर

सुव्रत ऐक्टर !

लिली हाथ में बंदूक है।

देवी बाघ न भी हो

सग्राम बाघ।
चौकीदार जी, बाघ हो सकता है
लिली हरिण हो सकता है
देवी हो सकता है।
सुव्रत तो अब तक
लिली (विद्रूप के स्वर मे) अभ्यास
(लिली बाए कमरे की ओर जाती है।)
सग्राम कहा ?
लिली (मु ह उठाकर) देखा ?
देवी (पास आकर) क्या ?
सुव्रत (पास आकर लिली की ओर देख) पसीना
सग्राम और जरा पफ करने से
देवी पफ !
लिली आती हू।
लिली बाए कमरे मे जाती है।
सग्राम लिली जानती है, सचाई क्या है।
देवी क्या ?
सग्राम बाघ।
चौकीदार हा, अवश्य बाघ।
सग्राम आदमखोर !
सुव्रत ऐवटर !
सग्राम वर्मा को बाघ खा गया है।
सुव्रत चौकीदार ?
चौकीदार जी मैं साहस कर कह सकूँगा।
सुव्रत चौकीदार !
चौकीदार बाघ का शिकार आज छोडकर साहब चले गये यह कौन साहस कर कह सकेगा।
सुव्रत ना
चौकीदार दिन हो आया मैं जाकर देख आता हूँ, जी।
सुव्रत ना
चौकीदार बाहर न निकलें गाली आकर बाघ को लगी होगी फिर ऐसे समय म बकरी कहा गयी
चौकीदार जाता है।
सग्राम चौकीदार भी जानता है।

सुव्रत क्या ?
संग्राम वर्मा नही।
सुव्रत ऐक्टर !
संग्राम बेचारी लिली !
सुव्रत (अस्थिर भाव से) ना
संग्राम (बेबी को लक्ष्य कर) और देर क्यो ? चलो !
बेबी कहा ?
संग्राम झरने के किनारे।
बेबी झरने ?
संग्राम नही तो बहुत दूर
सुव्रत ऐक्टर !
संग्राम लिली को देर हो सकती
सुव्रत लिली नही जायेगी
संग्राम बेबी जायगी
सुव्रत (चीखता सा) ऐक्टर !
संग्राम (हसते हुए) पूछने ये कौन शक्तिशाली ? बेबी ?
बेबी हिस्स !
संग्राम मैं शक्तिशाली।
बेबी (मजाक मे) ओह !
सुव्रत ऐक्टर !
संग्राम लिली जायेगी, विश्वास नही किया। किंतु बेबी के जाने पर
सुव्रत बेबी !
संग्राम कहा था अधिक शक्तिशाली
सुव्रत ब्रूट !
संग्राम (हसकर) ब्रूट
बेबी ब्रूट !

लिली आती है।

लिली वर्मा ?
बेबी ना।
लिली कौन ब्रूट ?

संग्राम हाथ बढ़ाकर हसते हुए सुव्रत को दिखाता है।

सुव्रत ना।
बेबी (यत्रणा से छटपटाती-सी) ओह !

संग्राम झरने के किनारे बैठने पर अच्छा लगेगा।
लिली बेबी ?
संग्राम (बेबी से) आओ, उस दिन की तरह बैठें।
सुव्रत किस दिन की तरह ?
संग्राम कहो
बेबी पागल !
लिली (ईर्ष्या से) किस दिन की तरह ?
संग्राम उस उस दिन की तरह
लिली ओह
सुव्रत किस दिन की तरह ?
संग्राम (लिली से) बोलो।
सुव्रत लिली बोलेंगी ?
संग्राम हां, लिली।
लिली हिस्स !
सुव्रत लिली !
बेबी ओह !
संग्राम (धीरे से हंसकर) अभिनय ऐक्टिंग बोरिं (संग्राम सुव्रत के निकट आकर) बोरिंग !
सुव्रत हां बोरिंग।
बेबी (सुव्रत के निकट आकर) सुबह से चाय नहीं पी।
संग्राम रात भर भी नींद नहीं आई।
सुव्रत बेबी !
बेबी सुबह चाय पिये बिना तुम्हें अच्छा नहीं लगता
सुव्रत बेबी !
संग्राम कॉल मी वट लव एण्ड आई विल बी
सुव्रत (बेबी से) कॉल मी वट लव एण्ड आइ विल बी
बेबी (खुशी से) सुव्रत आह !
संग्राम किन्तु बुजदिल कावर्ड आत्महत्या मर्डर (नाटकीय ढंग से बेबी के आगे जाकर) फिर से फिर एक बार कॉल मी वट लव
लिली ओह ऐक्टर !
संग्राम (बेबी के आगे खड़े होकर) एण्ड आई विल बी न्यू बेप्टाइज्ड।
बेबी हिस्स

बेबी के चेहरे पर घृणा और क्षोभ। संग्राम को

हटा अदर जाती है।

संग्राम मैं रोक न सका।

सुव्रत ओह !

संग्राम कॉल मी वट लव एण्ड आई विल बी

सुव्रत (क्रुद्ध हो) ऐक्टर !

संग्राम लडाई करोगे ?

सुव्रत हा।

लिली लडाई क्यो ?

संग्राम (हसते हुए) लडाई दो दलो मे होती है।

सुव्रत ऐक्टर मेरा विरोधी दल है।

संग्राम तो लडाई करोगे ?

सुव्रत हा।

संग्राम बॉक्सिग ?

सुव्रत हा।

संग्राम बेचारा अध्यापक !

सुव्रत (संग्राम के निकट आकर) आओ।

लिली सुव्रत !

संग्राम (सहज सरल भाव से हसते हुए) ना।

सुव्रत कावर्ड !

संग्राम (और पास आकर) कावर्ड लडाई करता है।

लिली बीच में आकर खडी होती है।

लिली ऐक्टर !

संग्राम मैं कावर्ड नही !

सुव्रत (लिली को हटाने की चेष्टा कर) लिली !

संग्राम मैं लडाई नही करूगा।

सुव्रत शेम !

संग्राम (मजाक से) शेम

लिली ऐक्टर !

सुव्रत कावर्ड !

संग्राम ना पागल।

सुव्रत हा, पागल।

सुव्रत दाहिनी ओर के कमरे मे जाता है। संग्राम लिली के पास जाकर

संग्राम पागल या अवाछित ?

लिली वालो कौन थी ?
संग्राम तुम जानती हो ?
लिली हा ।
संग्राम हा, बेबी
लिली (चीखकर) ब्रूट
संग्राम सुव्रत कावड
लिली बेबी के लिए उस दिन तुम चन गये ।
संग्राम हा ।
लिली बेबी को बुला देती हू ।
संग्राम लिली
लिली कल शिकार को क्यो नही गये ?
संग्राम दिन-भर घूमा था ।
लिली ना ।
संग्राम ईर्ष्या करती हो ?
लिली ऐक्टर
संग्राम मुझे ईर्ष्या नही
लिली अभिनय
संग्राम ज्यादा बातें न करो ।
लिली क्यो ?
संग्राम पसीने से मेकअप खराब हो जायगा
लिली ऐक्टर
संग्राम चलो ।
लिली ना ।
संग्राम झरने के किनारे बैठें ।
लिली फिर ?
संग्राम दूर चलेंगे ।
लिली लौटोगे नही ?
संग्राम नही ।
लिली बेबी है
संग्राम बवी एक पालतू पशु ।
लिली मैं ?
संग्राम तुम जगल की एक फालतू पशु ।
लिली खुद ?
संग्राम केवल पशु ।

लिली उस दिन तुम्हारे साथ कौन थी ?
सग्राम लिली !
लिली हा, पशु ।
सग्राम सुव्रत को बुलाऊँ ?
लिली सुव्रत को !
सग्राम सुव्रत निरापद !
लिली यानी ?
सग्राम बेबी है वर्मा सन्देह नही करेगा ।
लिली फालतू बात
सग्राम स्त्री होने पर पुरुष को कोई सदेह नही करेगा ।
लिली (क्षोभ से भरकर) मैं नही जाऊगी ।
सग्राम सुव्रत के साथ ?
लिली तुम्हारे साथ ।
सग्राम क्या हुआ ?
लिली मैं ग्रॉबसी नही ।
सग्राम मैं ग्रावसी ?
लिली (क्रोध से तमतमाकर) हू ।
सग्राम जानता था ।
लिली क्या ?
सग्राम अचानक यह परिवर्तन
लिली ना ।
सग्राम स्वाभाविक है ।
लिली क्या स्वाभाविक है ?
सग्राम ऐसा परिवर्तन ।
लिली वर्मा आते होंगे
सग्राम उस दिन भी अचानक मेरे हाथ की अगुली
लिली रहने दो ।
सग्राम इसके बाद मैं चला गया था ।
लिली हिस्स
सग्राम बेबी भी अचानक अपवित्रता का भूत देख लौट गयी
लिली कौन-सी बात ? क्या ?
सग्राम (ऊचे स्वर मे) अन्यापक बेबी !
लिली उन्हे क्यो ?
सग्राम वर्मा को बुलाता पर वर्मा डेड

लिली ऐक्टर !
संग्राम (ऊंचे स्वर में) कहा डेड वर्मा डेड डेड डेड।
लिली (भय से) बेबी !
संग्राम (चीखकर) अध्यापक !
लिली चीखो मत।
संग्राम (और जोर से) चौकीदार !
लिली हिस्स

बेबी और सुव्रत आते हैं।

बेबी लिली !
सुव्रत ऐक्टर !
संग्राम वर्मा डेड
लिली ऐक्टर !
बेबी } ऐक्टर
सुव्रत }
संग्राम कहा ना डेड डेड डेड

बाहर पीछे से वर्मा आते हैं बलात हाथ में बंदूक। संग्राम को छोड बाकी सब विस्मय मे भर जाते हैं।

वर्मा क्या ?
संग्राम (पास जाकर) वर्मा डेड
वर्मा ऐक्टर !
संग्राम (सुव्रत, लिली और बेबी को लक्षय कर) कावर्ड, किसी के मुह मे जबान नही कोई नही बोलता।
बेबी क्या ?
संग्राम वर्मा डेड

वर्मा बदूक रखकर बेल्ट खोलते खोलते

बेबी मेरी कुछ समझ मे नही आया।
संग्राम ना।
वर्मा लिली ?
संग्राम मेकअप
वर्मा यानी ?
संग्राम पिकनिक पास मे झरना बहुत दूर
वर्मा सुव्रत ?
सुव्रत शिकार कहा ?

वर्मा प्रतीक्षा करो।
संग्राम (सम्मोहित स्वर में) प्रतीक्षा प्रतीक्षा !
वर्मा रात-भर जागा हूँ।
संग्राम क्लांत !
वर्मा चाय है ?
लिली बेबी !
बेबी हूँ।
सुव्रत किसी ने चाय नहीं पी
संग्राम रहने दो।
वर्मा यानी ?
संग्राम वर्मा डेड मरा हुआ चाय नहीं पीता।
बेबी (हँसकर) पागल !
संग्राम पागल से सब घृणा करते हैं
बेबी हां।
संग्राम पागल प्योर नहीं
लिली ना
संग्राम (अचानक कुछ से उठकर) हिस्स
वर्मा (संग्राम के पास जाकर) क्या हुआ ?

संग्राम चाकू लेकर इधर उधर टहलने लगता है।

संग्राम पशु बकरी एक पालतू पशु (इसके बाद अचानक जोर से) पशु पशु पशु
सुव्रत ऐक्टर !
संग्राम (चाकू सुव्रत के पास फेंककर) चाकू लो
सुव्रत चाकू !
संग्राम हत्या करोगे शक्तिशाली
बेबी संग्राम !
संग्राम (चाकू फिर लेकर) तुम लो।
बेबी मैं !
बेबी आत्महत्या
वर्मा क्या हुआ ?
संग्राम (लिली से) लो हत्या या आत्महत्या ?
वर्मा सच, पागल !
सुव्रत पागल या अभिनय ?
वर्मा (संग्राम के पास जाकर) अभिनय या साने की खान का

मधान पा गये ?

सग्राम सोने की खान यह निजन डाकबगला हाथ की अगुली प्योर उदासीन बकरी एक पालतू पशु हा हा हा !

वर्मा (सुव्रत के पास जाकर) क्या हुआ ?

सुव्रत (बेबी से) बेबी ?

सग्राम सब अस्वाभाविक एक्सड सुव्रत लिली वर्मा बेबी बाघ का शिकार बकरी झरने का किनारा घणा स देह पिकनिक हिपोक्रेसी

वर्मा (सुव्रत से) बातें बेतरतीब

सुव्रत असलग्न

सग्राम (दोनो के पास आकर) अभिनेता की बातें एक्टिंग

बेबी ऐक्टर !

सग्राम ऐक्टर का नाम नहीं मग्राम नाम खो गया

(सग्राम चाकू लेकर खोलता है।)

सुव्रत ऐक्टर !

सग्राम कल रात रिहसल की थी

वर्मा रिहसल ?

सग्राम किसके साथ गप्पें मारता कहते थे ऐक्टिग देखेंगे मोनो-ऐक्टिंग।

वर्मा (खुश होकर) ॥

सग्राम कल रात अच्छा होता

वर्मा कल रात ?

सग्राम वास्तव अभिनय

लिली ऐक्टर !

सग्राम स्टेज तयार था।

सुव्रत स्टेज ?

सग्राम बेबी ने सजाया था डालियो से आज सूख गया है।

वर्मा बाहर डालिया पडी ह

सग्राम फिर भी देखेंगे ?

वर्मा (बठकर) पहले चाय

सग्राम देर हो जायगी और प्रतीक्षा न कर सकूगा।

वर्मा तो ठीक है

सग्राम (औरो की ओर सकेत कर) सब बैठ जाइये (सब किकत्तव्य विमूढ हो बठ जाते हैं।) रडी यह हुआ स्टेज मैं

ऐक्टर रंगमंच पर आकर खड़ा हुआ नाटक की प्रस्तावना का दृश्य कोई जो आशा करता है उसे पाने के लिए और उसकी हत्या करना चाहता है और एक अपन गुरु के लिए और एक के साथ चले जाना चाहता है पर अंत में देखा जाता है किसी में साहस नहीं, अपनी असली इच्छानुसार आखिर तक आगे बढ़ जाने का। बाहर कोई एक छलावा यानी सब हिपोक्रेटिक सब अपनी हत्या करते हैं हत्या करते हैं अपने विवेक की। इसी दृश्य का ऐक्टर यदि अभिनय करता है

बेबी लिली और सुव्रत सिर नीचा कर लेते हैं।
अचानक सुव्रत सिर उठाकर।

सुव्रत ऐक्टर !

संग्राम ऐक्टिंग ऐक्टर के हाथ में है चाकू ऐक्टर डुअल नहीं प्योर पवित्र उसके अभिनय में भी पवित्रता होनी चाहिए हां, चाकू जिस चाकू से बकरी काटी जाती है बकरी को काटने से पहले उसके पैर और लोग दबाकर पकड़ लेते हैं (पहले सुव्रत और फिर औरों के पास जाकर) पकड़िये पैर देह गरदन सिर (सब चुप हैं। सिर्फ वर्मा हँसते रहते हैं।) ना कोई नहीं सकेगा हिपोक्रेट ऐक्टर हिपोक्रेट नहीं पवित्र वह किस के पास चला आयेगा चाकू पेट से लगा होगा इसके बाद इसके बाद

संग्राम चाकू अपने पेट में लगाकर बाएं कमरे में चला जाता है।

वर्मा चमत्कारपूर्ण अभिनय !

सुव्रत चमत्कार !

बेबी किन्तु

लिली कालेज में अभिनय करते थे ?

बेबी ना

सुव्रत तुम तो कह रही थी कॉलिज में

बेबी (अनिच्छा से मुँह से निकल पड़ता है।) हां।

बाहर से चौकीदार आ जाता है।

चौकीदार हुजूर हुजूर हो गयी मेरी तो छुट्टी

सुव्रत क्या ?

चौकीदार हुजूर मेरी बकरी

वर्मा (उठाकर) मार दी है रात-भर शिकार मे कुछ नही मिला।
लिली लौटते समय ?
वर्मा घूम रही थी मार दिया।
चौकीदार (रो पडता है) हुजूर !
लिली घबराने की क्या बात है ? पैसे ला ?
सुव्रत पैसे ही तो लोगे
वर्मा कितने रुपये ?
लिली मैं कटलेट बनाऊगी।

चौकीदार रो रहा है। सग्राम को इतनी देर उस कमरे मे रहा देख बेबी को आशका होती है।

बेबी किन्तु ऐक्टर ?
सुव्रत ऐक्टर ?
लिली आज लौट जायें।
वर्मा (ऊची आवाज से)ऐ क्ट र अभिनय किया आओ आज रात बकरी के मास के कटलेट

सग्राम कमजोर कदमो से आता है। पेट मे आधा घुसा चाकू। सारी देह खून से सनी है।

बेबी
लिली
सुव्रत (सग्राम को घेरकर) ऐक्टर

क्या हुआ ठीक से न जानकर वर्मा सबको हटा सग्राम के पास जाते समय।

वर्मा ऐक्टिग ?
सग्राम (चाकू सहित पेट पकडे) हिपोक्रेसी बकरी एक पालतू जानवर कुछ नही हुआ ऐक्टर ऐक्टर अभिनय ऐक्टिग

सुव्रत और लिली विस्मय से सग्राम पर झुक जाते हैं।

सुव्रत
लिली ऐक्टिग?

बेबी सबको हटाकर रक्तावत सग्राम को गोद मे लेकर अश्रुपूर्ण स्वर से कहती जाती है।

बेबी ना ना ना ना

इसके बाद सब हठात चुप हो जाते हैं। बेबी का

गिर लटक जाता है मानो बात करने की शक्ति भी
खो गयी है। वर्मा चुप दृष्टि से कुछ समझ न
पाकर खड़े हैं। सुव्रत और लिली सिर नीचा किये
पीछे हटते हैं। चौकीदार सब के पीछे खड़ा हु
कर रो रहा है